RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 163 , रविवार, 26 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी प्रखंड स्तरीय चंपारण चैंपियन कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं ... 03

गोविन्दगंज थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक राजू कुमार मिश्रा का भव्य विदाई-सह... 04

छात्रों के समर्थन में उतरी आलिया भट्ट अभिनेता कमल हासन बोले- बच्चों... 07

हमें आदेश देने की बजाय नई पीढ़ी से बातचीत करनी चाहिए

मोहन भागवत बोले-नई पीढ़ी को आदेश न दें, उनसे संवाद बनाएं

हम मनमानी करेंगे,शक्ति से सबके मालिक बनेंगे,ऐसा नहीं हो सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे।

पहले माता-पिता की बात ही अंतिम होती थी, लेकिन आज नहीं

मोहन भागवत ने कहा, 'पहले के समय में माता-पिता की बात बिना किसी सवाल के मान ली जाती थी। जब हम छोटे थे, तो माता-पिता जो कहते थे, वही अंतिम होता था।' कोई बहस नहीं होती थी। श्रद्धा थी और प्रतिक्रिया भी नहीं होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है और उन्हें हर बात का तर्क बताना पड़ता है। नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत है, उन्हें समय देने की जरूरत है और सबसे ज्यादा संवाद की जरूरत है। आज डिक्टेशन नहीं, डिस्कशन की जरूरत है। ऑर्डर नहीं, कॉन्शसनेस (जागरुकता) की जरूरत है। आज परिवारों में आपसी बातचीत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। बच्चों और युवाओं के साथ नियमित संवाद ही उन्हें सही दिशा दे सकता है। केवल आदेश देने से बात नहीं बनेगी, बल्कि परिवार-समाज को युवाओं के साथ समय बिताना होगा।

सीजेपी प्रोटेस्ट को मुंबई में मिला बड़ा समर्थन

- राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से पहले किया बड़ा ऐलान, सीएम समेत वीआईपी की सुरक्षा बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में हुए लाठीचार्ज और पुलिस से झड़प के बाद छात्रों का आंदोलन देशव्यापी हो गया है। जंतर-मंतर पर जेन जेड का जमावड़ा है तो वहीं दूसरी आर्थिक राजधानी मुंबई में दादर-शिवाजी पार्क का एरिया जंतर मंतर-2 बन गया है। शुक्रवार को तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में युवा यहां पहुंचे। सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन में जुटे युवाओं के हाथों में स्लोगन और पोस्टर थे। जो पीएम मोदी पर केंद्रित थे। इनमें एक पोस्टर ने सभी का ध्यान खींचा इसमें लिखा था कि हमें न्यायवाला चाहिए,

चाय वाला नहीं, लेकिन राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से 26 जुलाई को शिवसेना और मनसे की ओर से आयोजित संयुक्त मार्च गैर-राजनीतिक होगा। इसमें किसी भी पार्टी का झंडा नहीं होगा और नारे सिर्फ सरकार की कार्रवाई की निंदा करने और छात्रों के समर्थन में ही लगाए जाएंगे। प्रोटेस्ट में पहुंचे उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने अभिजीत दीपके से फोन पर चर्चा की।

भारत ने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम का कर लिया ट्रायल

- सेना के कम्युनिकेशन नेटवर्क से जुड़ सकता है भार्गवास्त्र

ड्रोन के झुंड को रोक सकता है,गाड़ी पर भी लगा सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के सामने सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने नागपुर में अपने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम भार्गवास्त्र का सफल लाइव ट्रायल किया। कंपनी का दावा है कि यह सिस्टम हवाई हमलों और ड्रोन स्वार्म (ड्रोन के झुंड) जैसे बढ़ते खतरों से निपटने के लिए तैयार है। इसे सेना के कमांड और कम्युनिकेशन नेटवर्क से भी जोड़ा जा सकता है। मौजूदा जानकारी के मुताबिक, यह सिस्टम खतरनाक ड्रोन और खुद से उड़ने वाले ड्रोन के झुंड को रोकने के लिए बनाया गया है। इनपुट में ट्रायल की तारीख और सेना की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं दी गई है। यह जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कंपनी के मुताबिक ट्रायल सफल रहा। भार्गवास्त्र को गाड़ी पर आसानी से लगाया जा सकता है। इसे जरूरत पड़ने पर तेजी से लाया जा सकता है।

स्वदेशी रॉकेट और माइक्रो-मिसाइल से लैस

कंपनी के मुताबिक, इस सिस्टम में देश में बने रॉकेट और सटीक निशाना लगाने वाली माइक्रो-मिसाइल लगी हैं। दावा है कि ये दुश्मन के ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती हैं। कंपनी के अनुसार, भार्गवास्त्र को रेगिस्तान, मैदान और समुद्र तल से 5,000 मीटर तक ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी तैनात किया जा सकता है। इसे अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने के हिसाब से तैयार किया गया है। सिस्टम के कंट्रोल सेंटर में 10 किमी तक ड्रोन का पता लगाने वाला रडार और खास सेंसर लगाए गए हैं। कंपनी के मुताबिक ये सेंसर लक्ष्य निर्धारित करेंगे।

प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी, यूपी-बिहार में भारी बवाल

- फायरिंग-पथराव में 15 घायल, दो एसआई भी चोटिल
- आरा में रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शनकारी, प्रयागराज में झड़प

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। बिहार में बंद आयोजित किया गया। इस दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। पथराव में सीवान में पथराव से एसपी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और करीब 10 राउंड फायरिंग की। सीतामढ़ी में भी पथराव हुआ। एसपी समेत 12 लोग घायल हो गए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रयागराज में 10 हजार लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के 20 शहरों में प्रदर्शन हो रहा है। इंदौर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है।

बिहार बंद के दौरान सीवान में 10 राउंड फायरिंग

नीट पेपर लीक और लाठीचार्ज के खिलाफ बुलाया गया बिहार बंद अब हिसंक होता जा रहा है। सीवान में प्रदर्शनकारियों ने जमकर पत्थरबाजी की, पुलिस पर हमला किया। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे गए। 10 राउंड से ज्यादा सीधी फायरिंग हुई है। प्रदर्शनकारी की पत्थर से सीवान एसपी पूरन झा के हाथ में चोट लगी है। करीब 6 जिलों में पत्थर चले हैं। इधर, छपरा में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए सरकारी बिल्डिंग में चढ़कर पोस्टर फाड़े। बैरिकेडिंग लेकर भागते नजर आए। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

- कहा-छात्रों के हित और शिक्षा व्यवस्था की गरिमा सर्वोपरि है

जंतर-मंतर सहित यूपी-बिहार में छात्रों ने मनाया जमकर जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट परीक्षा विवाद और लगातार बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। लंबे समय से विपक्ष और प्रदर्शनकारी संगठन उनकी जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे थे। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर खुद धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे की बात कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। उन्होंने पोस्ट कर कहा, पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है। देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है।

धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं के नाम लिखा लेटर

धर्मेंद्र प्रधान ने अपने लेटर में कहा कि वह पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। उन्होंने लिखा कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सरकार ने मामले को तुरंत संज्ञान में लिया और जांच सीबीआई को सौंपी गई। साथ ही परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष से नीट यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट मोड में कराने का फैसला लिया गया है। प्रधान ने कहा कि इस दौरान सरकार की प्राथमिकता 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से कराना थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ध्यान दिया है।

प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर जश्न

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न शुरू हो गया। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, क्या कह रहे थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते। झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगे हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे नहीं जाएंगे कॉकरोच एक बार घुसता है तो निकलता नहीं है।

'दबाव' में छोड़ा पद

सीजेपी बोली- आंदोलन खत्म, तीनों मांगें पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं। इनमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं और नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल है। इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न का माहौल है। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया।

भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी से युवाओं में है आक्रोश

मायावती ने कहा, सरकार और विपक्ष दोनों हैं गलत

शिक्षा सुधार के मुद्दे को छोड़ सिर्फ सियासत कर रहे

लखनऊ (एजेंसी)। देश में नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित पेपरलीक को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन पर बसपा प्रमुख मायावती ने पक्ष-विपक्ष दोनों को आड़े हाथों लिया। मायावती ने कहा कि शिक्षा सुधार

के मुद्दे को छोड़कर दोनों पक्ष सिर्फ सियासत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की नाराजगी और परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यवस्था सुधार पर ध्यान देना चाहिए।

- संसद की कार्रवाई भी हंगामे की भेंट चढ़ रही- मायावती ने संसद के मानसून सत्र का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार और विपक्ष के बीच लगातार टकराव के कारण संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। इससे जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और सरकार की जवाबदेही भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार फिलहाल पेपरलीक होने के बाद दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कर रही है, लेकिन असली जरूरत ऐसी व्यवस्था विकसित करने की है जिससे भविष्य में पेपरलीक जैसी घटनाएं ही न हों। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार, लापरवाही और परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर किए बिना केवल बाद की कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। मायावती ने अपने कार्यकर्ताओं को उग्र होने से मना किया है

राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़

मायावती ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। अब इस मुद्दे को लेकर सड़क से संसद तक राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। इसका असर कई राज्यों में भी दिखाई दे रहा है, जहां प्रदर्शन और विरोध के कारण तनाव का माहौल बन रहा है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ऐसे हालात में संयम और सतर्कता बनाए रखें। बसपा प्रमुख ने कहा कि जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। इससे युवाओं में असंतोष बढ़ा है और सरकार के प्रति सवाल खड़े हुए हैं।

बंगाल में 650 साल पुरानी अदीना मस्जिद के बाहर पूजा

- 'आदिनाथ मंदिर' के दावे के बीच शिवलिंग स्थापना की तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मंदिर-मस्जिद विवाद गहराता जा रहा है। ऐसा इस वजह से क्योंकि भारतीय जनता पार्टी नेता के नेतृत्व वाले एक राइट-विंग ग्रुप ने मालदा जिले में एक 650 साल पुरानी मस्जिद के पास पूजा-अर्चना की। इसके बारे में उनका दावा है कि वह कभी मंदिर हुआ करती थी। आगामी सोमवार को 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' संगठन मस्जिद के बाहर एक विशाल शिवलिंग स्थापित करने की योजना बना रहा है। मालदा के पांडुआ में स्थित आदिना मस्जिद का निर्माण सिकंदर शाह ने सन् 1373 में करवाया था। एएसआई के मुताबिक, यह मध्यकालीन उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी मस्जिद थी। हालांकि, हिंदू समूह और भाजपा का दावा है कि यह मस्जिद भगवान शिव को समर्पित 'आदिनाथ मंदिर' के स्थान पर बनाई गई थी।

इस तथाकथित मस्जिद में हिंदू और बौद्ध मूर्तियां हैं- 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' के मुख्य संरक्षक और उत्तर बंगाल के लिए बीजेपी के 'सुशासन विंग' की संयोजक काजल गोस्वामी ने कहा, इस तथाकथित मस्जिद में हिंदू और बौद्ध मूर्तियां हैं। आदिनाथ मंदिर को नष्ट करके ही यहां मस्जिद बनाई गई थी। संगठन का दावा है कि मस्जिद में शिवलिंग के अलावा कई हिंदू और बौद्ध प्रतीक भी मौजूद हैं। उनका कहना है कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर एएसआई की रिपोर्ट की मांग करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख करेंगे।

संसद में सामिक भट्टाचार्य ने उठाया था मंदिर का मुद्दा

पांच दिसंबर, 2025 को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद और वर्तमान बंगाल अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इस मुद्दे को संसद में उठाया। सदन में अपने बयान में उन्होंने कहा, अदीना मस्जिद बंगाल सल्तनत के सुल्तान सिकंदर शाह ने 1373 ईस्वी में बनवाई थी। यह मस्जिद पहले से मौजूद हिंदू और बौद्ध ढांचों की सामग्री का इस्तेमाल करके बनाई गई थी। स्थानीय परंपराओं और ऐतिहासिक वृत्तांतों से पता चलता है कि यह जगह मूल रूप से भगवान शिव और भगवान विष्णु को समर्पित है।

- क्रिकेटर आकाशदीप, मुकेश कुमार बने डीएसपी

सीएम के पैर छुए, सम्राट चौधरी बोले-अगले आईपीएल ऑक्शन में बिहार की टीम भी रहेगी

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर मेडल जीतने वाले 19 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का जॉइनिंग लेटर दिया। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक और एथलेटिक्स खिलाड़ी पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति दी गई। वहीं आकाशदीप और मुकेश कुमार ने पैर छूकर मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया। ऊर्जा ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस साल 106 खिलाड़ियों को लेटर पहले ही दिए जा चुका है। इस योजना में नियुक्ति पत्र, खेल छात्रवृत्ति चयन-पत्र और खेल सम्मान राशि दी गई। 19 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र मिला है। इसके अलावा समारोह के दौरान 5 पैरा खिलाड़ियों सहित बाकी खिलाड़ी शामिल हैं।

सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि दी गई

एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में स्वर्ण और रजत पदक जीतने और एथलेटिक्स में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने वाले बिहार के पहले खिलाड़ी बने सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। इसी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विभास्कर कुमार को 2 लाख रुपये की सम्मान राशि दी गई। कॉमनवेल्थ यूथ शतरंज चैंपियनशिप-2026 की ब्लिट्ज स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली मरियम फातिमा को 9 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सम्राट चौधरी ने ऐलान किया है कि 15 सितंबर के बाद बिहार के सभी पंचायत में स्पोर्ट्स को लेकर टैलेंट की खोज की जाएगी। यह अभियान 6 महीने तक चलेगा। पूरे प्रदेश में जो भी खिलाड़ी मिलेगा, उसे प्रशिक्षित करके तैयार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बया नदी में नहाने गए तीन किशोर की डूबकर मौत, मुजफ्फरपुर में एक ने तैरकर बचाई जान

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के साहेबगंज नगर परिषद क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक हादसा हुआ है। इसमें बया नदी में डूबने से तीन किशोरों की मौत हो गई। वहीं, उनके साथ नदी में नहाने गया चौथा किशोर किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया और उसकी जान बच गई। घटना बैद्यनाथपुर शिवालय मंदिर के सामने बया नदी की है। मृतकों की पहचान वार्ड संख्या-8 निवासी अमृत कुमार (14), पिता– गुड्डू साह, साहिल उर्फ झुन्नू (12), पिता– मनोज साह और मोहम्मद रेहान (13), पिता– मोहम्मद ऐनुल के रूप में हुई है। वहीं गुड्डू (13), पिता– मोहम्मद मुन्ना किसी तरह तैरकर नदी से बाहर निकल आया। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर चारों किशोर बया नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए। गुड्डू ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि बाकी तीन किशोर नदी में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने करीब दो से तीन घंटे तक लगातार नदी में खोजबीन की। काफी मशक्कत के बाद तीनों किशोरों के शव बाहर निकाले गए। इसके बाद उन्हें साहेबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एनडीआरएफ को सूचना देने के बावजूद टीम काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंची, जिसके कारण शवों की तलाश स्थानीय लोगों को ही करनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही साहेबगंज थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस हादसे के बाद साहेबगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या-8 में मातम का माहौल है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेपर लीक के मुद्दे पर सड़क पर उतरे छात्र संगठन, आक्रोश मार्च निकाला

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पेपर लीक के विरोध में छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया। बिहार बंद के दौरान आइसा समेत अन्य छात्र संगठनों ने शहर में आक्रोश मार्च निकाला। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से 'इस्तीफा दो' के नारे लगाए। प्रदर्शनकारी दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद कराने के लिए सड़कों पर घूमते देखे गए। शहर के प्रमुख बाजार, दुकानें, निजी स्कूल और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहे। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। बंद समर्थकों ने ग्रामीण और हाईवे संपर्क मार्गों को भी प्रभावित करने का प्रयास किया। मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मुख्य मार्ग पर कुढ़नी थाना क्षेत्र के पास कुछ युवकों ने सड़क अवरुद्ध करने का प्रयास किया, जिससे वाहनों की कतारें लग गईं। एक प्रदर्शनकारी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने इसकी पिटाई भी की है। पुलिस का कहना है कि इसी ने भीड़ को भड़काया, जिसके बाद भीड़ ने पुलिस पर पत्थर चलाए। लेकिन, इस प्रदर्शनकारी का कहना है कि पुलिस मुझे जबरदस्ती लेकर जा रही है। मेरा इन सब से कोई लेना देना नहीं है। मैं ऑफिस से घर जा रहा था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की विशेष टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर सड़क से हटाया। इसके बाद यातायात तुरंत सुचारु कर दिया गया। जिला प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। शहर के प्रमुख चौराहों और ग्रामीण इलाकों के संवेदनशील स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस की गश्ती गाड़ियां विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निगरानी कर रही हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी जैसी आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन सुनिश्चित कराना प्राथमिकता है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पूरे जिले में स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस बल चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद है।

पान दुकानदार पर जानलेवा हमला, कार सवार बदमाशों ने मारी गोली, दुकान से घर लौटते समय वारदात

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कार सवार अज्ञात बदमाशों ने एक पान दुकानदार को गोली मार दी। गंभीर हालत में इलाज के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी राजेश साह अपनी दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान एक कार उनकी दुकान के पास आकर रुकी। कार से उतरे बदमाशों ने हथियार तान दिए और इससे पहले कि वह कुछ समझ पाते, उन पर गोली चला दी। गोली सीधे राजेश साह के पेट में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद कार सवार अपराधी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। राजेश साह को खून से लथपथ हालत में देखा। इसके बाद परिजनों को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत मोतीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। सीएचसी के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को चिंताजनक पाया। पेट में गोली लगने के कारण अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। जानकारी मिलते ही मोतीपुर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। मामले में पूछे जाने पर डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि देर रात कार सवार बदमाशों ने दुकानदार को गोली मारी है। पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर दी गई है, जो घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस अपराधियों के भागने के रूट और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है। ताकि बदमाशों की कार का नंबर और उनकी पहचान उजागर हो सके। डीएसपी ने दावा किया है कि अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

रिक्शा चालक और सिम बेचने वाला गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के रामबाग चौड़ी स्थित सेवानिवृत्त बैंककर्मी अशोक कुंवर और उनकी पत्नी नीलम देवी की दोहरे हत्याकांड की जांच में पुलिस को बड़ा सुराग मिला है। साइबर जांच के दौरान इस्तेमाल किए गए एक सिम कार्ड के आधार पर पुलिस ने एक रिक्शा चालक और एक सिम विक्रेता को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों ने पैसों के लालच में अपने नाम से जारी सिम एक अज्ञात व्यक्ति को उपलब्ध कराया था। आशंका है कि इसी सिम का इस्तेमाल हत्या की साजिश या उससे जुड़े संपर्क के लिए किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि सकरा थाना क्षेत्र के लदौरा निवासी रिक्शा चालक रंधीर कुमार से पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिली। रंधीर ने बताया कि करीब दो-तीन महीने पहले मोतीझील फ्लाईओवर के पास वकील की वेशभूषा में एक व्यक्ति ने उसका रिक्शा किराए पर लिया। वह स्टेशन रोड गेट नंबर-3 स्थित एक सिम स्टॉल पर पहुंचा, जहां दुकानदार ने उसे पैसे का लालच देकर उसके आधार कार्ड पर इंडिया कंपनी का नया सिम जारी कराया। सिम मिलते ही उसे रिक्शे पर बैठे उसी अज्ञात व्यक्ति को सौंप दिया गया। रंधीर ने पुलिस को बताया कि बाद में उसे आशंका हुई कि उसके नाम से जारी सिम का इस्तेमाल किसी गलत काम में हो सकता है। इस पर वह सिम बंद कराने के लिए दोबारा दुकान पहुंचा, लेकिन दुकानदार ने यह कहकर लौटा दिया कि सिम अपने आप बंद हो जाएगा। इसके बाद उसने इस मामले पर ध्यान नहीं दिया। रंधीर की निशानदेही पर पुलिस स्टेशन रोड स्थित सिम स्टॉल पहुंची और संचालक राकेश कुमार गुप्ता से पूछताछ की। पूछताछ में उसने रिक्शा चालक के आधार कार्ड पर सिम जारी कर उसे अज्ञात व्यक्ति को देने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस का मानना है कि दोनों ने पैसों के लालच में मिलकर सिम उपलब्ध कराया, जिसका इस्तेमाल एक गंभीर आपराधिक घटना में किया गया। पुलिस ने रंधीर कुमार, राकेश कुमार गुप्ता और वकील की वेशभूषा वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। रंधीर और राकेश को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है, जबकि फरार अज्ञात व्यक्ति की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस पर पथराव, चेकपोस्ट तोड़ा-पेट्रोलिंग वैन पलट डाली

एजेंसी, पटना

- पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर खदेड़ा, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से खुशी, पर सख्त कानून की मांग

NEET पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और लाठीचार्ज के बिहार बंद के दौरान पटना में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे। पुलिस पर पत्थरबाजी की। पेट्रोलिंग वैन को पलट दिया गया। जिसके बाद पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव भी छात्रों के समर्थन में सड़कों पर उतरे और तिरंगा लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद उन्हें पुलिस ने रामगुलाम चौक के पास से हिरासत में ले लिया। पुलिस लगातार छात्रों को डिटेन कर रही है। एक जगह पर छात्रों को इकट्ठा होने से रोका गया। इस बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की सूचना मिलने पर प्रदर्शनकारी छात्रों खुशी जाहिर की, पर सख्त कानून की मांग की है। इसके बाद स्थिति सामान्य होने लगी।

छात्रों ने पुलिस पर की पत्थरबाजीः छात्र संगठन AISA और राष्ट्रीय युवा आंदोलन (RYA) के बिहार बंद का असर दिखा। पटना गांधी मैदान के पास बड़ी संख्या में छात्र जुटे। रामगुलाम चौक के पास प्रदर्शनकारी मोबाइल टावर पर चढ़ गए। इस दौरान तेजप्रताप यादव भी हाथ में तिरंगा लेकर लहराते दिखे। इसके बाद छात्र डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े। यहां बैरिकेडिंग कर इन्हें रोका गया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की। पुलिस प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा।

सुरक्षा में 70 हजार जवान तैनात किए गएः बिहार बंद को देखते हुए पटना में पुलिस और प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया। पूरे बिहार में 70 हजार जवानों की तैनाती की गई। राज्य में पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई। प्रदर्शन को देखते हुए पटना, औरंगाबाद समेत कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए। स्थानीय पुलिस के साथ-साथ CISF, BSF, SSB और CRPF के जवानों को भी तैनात किया गया। पटना के जेपी गोलंबर पर वाटर कैनन के साथ 200 जवान लगाए गए। विधानसभा और पटना जंक्शन परिसर की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई। इसके साथ ही एयरपोर्ट, राजेंद्रनगर टर्मिनल, म्यूजियम सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई। बंद का राजद, कांग्रेस, वीआईपी और वामदलों का समर्थन मिला।

सीवान में 10 राउंड फायरिंग 3 छात्रों को लगी गोली

एजेंसी, पटना

- छपरा-सीतामढ़ी में गाड़ियां जलाईं, 9 जिलों में पत्थरबाजी-लाठीचार्ज

NEET पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और लाठीचार्ज के खिलाफ बुलाए गए बिहार बंद के दौरान हिंसा देखने को मिली है। सीवान, छपरा, सीतामढ़ी, लखीसराय, भागलपुर, औरंगाबाद, पटना में जमकर बवाल हुआ। सीवान- प्रदर्शनकारियों ने जमकर पत्थरबाजी की, पुलिस पर हमला किया। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे गए। 10 राउंड से ज्यादा सीधी फायरिंग हुई है। इसमें 3 छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इसमें दो छात्रों को गले और एक को जांघ में गोली लगी है। एक घायल छात्र को पटना रेफर किया गया है। प्रदर्शनकारी की पत्थर से सीवान एसपी पूरन झा के हाथ में चोट लगी है।

छपरा- सुबह से ही छात्रों का प्रदर्शन उग्र रहा। समाहरणालय में चढ़कर पोस्टर फाड़े। बैरिकेडिंग लेकर भागते नजर आए। पुलिस वैन में आग लगा दी। काफी देर तक रोड़बाजी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। स्थिति को काबू में करने के लिए ITBP सड़क पर उतरी है।

सीतामढ़ी- प्रदर्शनकारियों ने जमकर पत्थरबाजी की। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने भी लाठियां भांजी। 2 फोर व्हीलर समेत 5 गाड़ियों में आग लगाई गई। प्रदर्शन रोकने में SP अमित रंजन समेत 12 पुलिस वाले जख्मी हुए हैं।

भागलपुर- बिहार बंद के दौरान बवाल हुआ है। पत्थरबाजी के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। छात्र पुलिस की गाड़ी पर ईंट फेंकते नजर आए। यहां पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश में है।

करताहां थानाध्यक्ष निलंबित एसपी ने की कार्रवाई

एजेंसी, हाजीपुर

विभागीय जांच शुरू

वैशाली पुलिस ने भ्रष्टाचार और कर्तव्यहीनता के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है। करताहां थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष पु.अ.नि. कुणाल कुमार आजाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक, वैशाली द्वारा जारी आदेश के अनुसार, एक आपराधिक कांड के अनुसंधान के दौरान उपलब्ध तथ्यों, साक्ष्यों और जांच में सामने आई सूचनाओं के आधार पर तत्कालीन थानाध्यक्ष की भूमिका प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए पुलिस केंद्र, हाजीपुर (लाइन) में योगदान करने का निर्देश दिया गया है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाईः एसपी ने इस पूरे मामले की विस्तृत विभागीय जांच के भी आदेश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वैशाली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, कर्तव्यहीनता और अनुशासनहीनता के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हाजीपुर में मजिस्ट्रेट-पुलिस बल तैनात, लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील

एजेंसी, हाजीपुर

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में दिल्ली और पटना में हुए प्रदर्शनों के दौरान लाठीचार्ज के विरोध में विभिन्न संगठनों द्वारा बुलाए गए बिहार बंद के आह्वान पर वैशाली जिले के हाजीपुर शहर सहित विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारियों को तैनात किया गया है। सदर एसडीओ राम बाबू बैठा, सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार और विभिन्न थानों के थाना अध्यक्षों ने शनिवार सुबह से शहर के अलग-अलग इलाकों का निरीक्षण किया। गांधी चौक, रामाशीष चौक, पासवान चौक, महात्मा गांधी सेतु जढुआ सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस पदाधिकारी, मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल की तैनातीः एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि विभिन्न संगठनों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से बिहार बंद का आह्वान किया गया था। एहतियात के तौर पर शहर और महात्मा गांधी सेतु सहित अन्य संवेदनशील जगहों पर पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अभी तक किसी भी संगठन द्वारा बंद को प्रभावी नहीं किया गया है। स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन ने सभी छात्र-छात्राओं और नागरिकों से शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों से अपनी बात लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से रखने तथा किसी भी प्रकार की हिंसा, अफवाह या कानून-व्यवस्था भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहने का आग्रह किया है। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य सभी की सुरक्षा, जन-जीवन की सामान्य व्यवस्था तथा आवश्यक सेवाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित करना है। सभी से अपेक्षा की गई है कि वे संयम एवं जिम्मेदारी का परिचय देते हुए प्रशासन का सहयोग करें। लोगों से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से करने, प्रशासन के वैध निर्देशों का पालन करने और आपातकालीन सेवाओं में बाधा न डालने की अपील भी की गई है। सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को देने को कहा गया है। किसी भी समाचार या संदेश को साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें।किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन एवं चिकित्सा दल से तत्काल सहायता प्राप्त करें।

प्रदर्शन के दौरान क्या न करेंः हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी अथवा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि में शामिल न हों। एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन या अन्य आवश्यक सेवाओं के मार्ग में अवरोध उत्पन्न न करें। सरकारी अथवा निजी संपत्ति को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचाएं। किसी भी प्रकार के हथियार, ज्वलनशील पदार्थ या खतरनाक वस्तु साथ न रखें।अफवाह, भ्रामक सूचना अथवा भड़काऊ सामग्री का प्रचार-प्रसार न करें। किसी व्यक्ति, समुदाय या प्रशासनिक अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार या टकराव से बचें।

आईआईटी पटना में दो दिवसीय 'विकसित भारत' नेशनल वर्कशॉप शुरू, देशभर के अधिक छात्र और शिक्षाविद जुटे

एजेंसी, पटना

- विकसित भारत के विजन पर होगा राष्ट्रीय मंथन

पटना के बिहटा स्थित IIT पटना में शनिवार से 'विकसित भारत' विषय पर दो दिवसीय थिंक इंडिया नेशनल वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन IIT पटना के निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। हालांकि, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाले बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार बिहार बंद और छात्रों के आंदोलन के मद्देनजर कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

विकसित भारत के विजन पर होगा राष्ट्रीय मंथनः दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य देशभर के मेधावी छात्रों को एक मंच पर लाकर 'विकसित भारत' के विजन पर सार्थक संवाद, बौद्धिक आदान-प्रदान और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन करना है। आयोजकों के अनुसार, इस कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से 200 से अधिक छात्र और करीब 30 अतिथि भाग ले रहे हैं। IIT पटना का आधुनिक बुनियादी ढांचा और शैक्षणिक वातावरण इस आयोजन के लिए उपयुक्त मंच प्रदान कर रहा है।

देशभर से जुटे छात्र और शिक्षाविदः IIT पटना के निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह ने कहा कि इस राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी करना संस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि देशभर से आए छात्र, प्रोफेसर और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ राष्ट्र निर्माण तथा भारत के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन भारत सरकार के 'विकसित भारत' अभियान की अवधारणा के अनुरूप किया जा रहा है। इस मंथन से देश के विकास के लिए नए विचार सामने आएंगे और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक योगदान मिलेगा।

विचारों के आदान-प्रदान पर रहेगा फोकसः कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ सत्र, संवाद और विचार-विमर्श आयोजित किए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना तथा शिक्षा, नवाचार और नीति निर्माण से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा को बढ़ावा देना है।

ट्रांसजेंडर बोले-'2 महीने बाद भी बरामदगी नहीं', कार्रवाई नहीं होने पर प्रोटेस्ट

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली में ट्रांसजेंडर से डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण और 8.75 लाख नकद चोरी के मामले में दो महीने बाद भी कार्रवाई न होने पर किन्नर समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। शनिवार को सैकड़ों किन्नरों ने जिला मुख्यालय पर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और चोरी हुई संपत्ति की बरामदगी की मांग की। यह घटना 12 मई की शाम को सदर थाना क्षेत्र में हुई थी। पीड़ित ट्रांसजेंडर सपना कुमारी ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, सपना कुमारी अपने चालक सौरभ कुमार के साथ एक्सयूवी से पटना से महुआ लौट रही थीं। स्टेशन रोड पर रेल कोच रेस्टोरेंट और पेट्रोल पंप के बीच एक अज्ञात व्यक्ति ने चलती गाड़ी के रेडिएटर के पास कोई वस्तु फेंकी। कुछ दूरी आगे बढ़ने पर दूसरे व्यक्ति ने गाड़ी से धुआं निकलने का इशारा किया। चालक ने वाहन रोका और सपना कुमारी व चालक बोनट खोलकर जांच करने लगे। इसी दौरान बदमाश गाड़ी की बीच वाली सीट पर रखा बैग लेकर फरार हो गए। पीड़िता के मुताबिक, चोरी हुए बैग में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण और 8.75 लाख नकद थे। उन्होंने बताया कि यह आभूषण और नकदी किन्नर समाज को वर्षों से शगुन के तौर पर मिली थी। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और जल्द खुलासे का दावा किया था।

16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 29 तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने आज 16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। बिजली गिरने की भी आशंका है। 22 जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। हालांकि यहां बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। पिछले 24 घंटे में खगड़िया, नालंदा, पटना समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, आकाशीय बिजली से 11 लोगों की मौत हुई है। शुक्रवार को नवादा में बिजली की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 2 महिलाएं झुलस गईं। जमुई में एक युवक की मौत हो गई। शेखपुरा में भी एक 45 साल के व्यक्ति की मौत हुई है। आकाशीय बिजली से शुक्रवार को 6 जिलों में 11 लोगों की मौत हाने हो गई। नवादा में ठनका गिरने से 10 साल के बच्चे और तीन किसानों की मौत हो गई। दो महिलाएं भी गंभीर रूप से झुलस गईं। खेत में काम कर रहे लोग बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी ठनका गिर गया। शेखपुरा जिले के बरबीघा प्रखंड के मिर्जापुर गांव के बधार में ठनका गिरने से खेत में काम कर रहे 45 से वर्षीय परिमल मांझी की जान चली गई। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के पंडुरा रामपुर गांव में महिला की मौत हो गई। वह खेत मे काम करने गई थी। अरवल के पी कोरियम गांव में भी खेत में काम कर रही 45 वर्षीय महिला की ठनका से मौत हो गई।

विपक्षी दलों की राजनीतिक साजिश का शिकार होने से बचे छात्र समुदायः शंभूनाथ सिन्हा

एजेंसी, पटना

प्रदेश जनता दल यूनाईटेड (जदयू) प्रवक्ता शंभूनाथ सिन्हा ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलनरत छात्रों से भावनाओं में बहकर विपक्षी दलों की राजनीतिक साजिश का हिस्सा नहीं बनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों की पीड़ा और भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर एवं संवेदनशील है तथा इस पूरे प्रकरण में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्थायी समाधान की दिशा में निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जो विपक्षी दल छात्रों के हितैषी बनने का दिखावा कर रहे हैं, उनके शासनकाल और शासित राज्यों में दर्जनों बार पेपर लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन तब उन्होंने केवल बयानबाजी और राजनीतिक नौटंकी करने के अलावा कोई ठोस पहल नहीं की। छात्रों के भविष्य से जुड़े इतने गंभीर मुद्दे पर उनकी संवेदनशीलता केवल सत्ता की राजनीति तक सीमित रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए ऐतिहासिक एवं दूरगामी निर्णय लिए गए हैं। केंद्र सरकार ने पेपर लीक जैसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था, दोषियों के खिलाफ कड़े दंड, भारी आर्थिक जुर्माना तथा सख्त कानूनी प्रावधानों को मंजूरी दी है। इन कदमों से न केवल अपराधियों को शीघ्र और कठोर सजा मिलेगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी मजबूत एवं प्रभावी व्यवस्था स्थापित होगी। जदयू छात्रों के हितों और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक छात्र का अधिकार है, लेकिन यदि इस आंदोलन का राजनीतिकरण किया गया तो इसका लाभ केवल वे ताकतें उठाएंगी जो देश में अस्थिरता और अराजकता का माहौल पैदा करना चाहती हैं। इससे न केवल छात्र आंदोलन की गरिमा प्रभावित होगी, बल्कि छात्रों के वास्तविक मुद्दे भी कमजोर पड़ जाएंगे। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों से संयम, विवेक और लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी राजनीतिक दल के बहकावे या राजनीतिक साजिश का हिस्सा बनने से बचें। सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है।

पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बीएनएम@ पताही

पताही प्रखंड की जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय, जिहुली में शनिवार को इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के तत्वावधान में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरित करना तथा पेड़-पौधों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जल एवं ऊर्जा संरक्षण, कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। छात्रों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की गई। पौधारोपण अभियान में इको क्लब के सदस्य आयुष कुमार, रंजीत, गौतम, शिवम, सत्यम, गौरव, रौशन, करण, पवन, आस्था, दिव्यांशी, अनामिका, अंजली, नीतू, कोमल, साक्षी, मोना, आकांक्षी, वैभवी एवं जागृति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार के साथ मो. जुनैद अहमद, विकास कुमार, संजीव कुमार, अनंत बैठा, जामिल हुसैन, मुज़फ़्फ़र हुसैन, आशुतोष कुमार गर्ग, नीता कुमारी, सुनीता कुमारी, नेहा रानी, काजल कुमारी एवं लालबहादुर कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के माध्यम से विद्यार्थियों को केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति की रक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है और इस दिशा में छात्र सबसे प्रभावी बदलाव के वाहक बन सकते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पीएम श्री उच्च विद्यालय, जिहुली ने शिक्षा, अनुशासन, नवाचार और सामाजिक गतिविधियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यालय में हुए सकारात्मक बदलावों और रचनात्मक कार्यक्रमों के कारण पूरे जिहुली पंचायत में विद्यालय की पहचान लगातार मजबूत हुई है तथा यह अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनता जा रहा है।

मोतिहारी प्रखंड स्तरीय चंपारण चैंपियन कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं का हुआ सम्मान

बीएनएम@ मोतिहारी

स्थानीय जिला स्कूल परिसर में शनिवार को मोतिहारी प्रखंड स्तरीय चंपारण चैंपियन कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अफरोज आलम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों का शारीरिक एवं मानसिक विकास करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों से चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को नई पहचान देंगे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अफरोज आलम ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक शैलेन्द्र मिश्र 'बाबा' ने किया। इस मौके पर जिला स्कूल के प्राचार्य रोहित कुमार सहित कई शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कैरम (6–8 बालक वर्ग) के सिंगल मुकाबले में मो. नासिर अंसारी विजेता एवं प्रदीप कुमार उपविजेता रहे। डबल वर्ग में नवीन कुमार एवं पवन कुमार विजेता तथा उमेश कुमार एवं प्रीतम कुमार उपविजेता बने।

6–8 बालिका वर्ग के सिंगल में अनुष्का कुमारी विजेता और नंदनी कुमारी उपविजेता रहीं। डबल वर्ग में नीति कुमारी एवं सोनम कुमारी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि पायल कुमारी एवं खुशी कुमारी उपविजेता रहीं।

9–12 बालक वर्ग के सिंगल कैरम में सोनू कुमार विजेता तथा विशाल कुमार उपविजेता बने। डबल वर्ग में प्रिंस कुमार एवं अभी कुमार विजेता और बजरंगी कुमार एवं रोहित कुमार उपविजेता रहे।

9–12 बालिका वर्ग के सिंगल मुकाबले में अमृता कुमारी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि निधि कुमारी उपविजेता रहीं। डबल वर्ग में अनुष्का जायसवाल एवं स्वेता कुमारी विजेता तथा तमन्ना कुमारी एवं आयशा प्रवीण उपविजेता रहीं।

शतरंज प्रतियोगिता के 6–8 बालक वर्ग में अनुराग रवि विजेता एवं सोनू कुमार उपविजेता रहे। 9–12 बालक वर्ग में अभिनव कुमार ने प्रथम तथा पूज्य प्रकाश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

6–8 बालिका वर्ग में प्रीति कुमारी विजेता और अनुष्का कुमारी उपविजेता रहीं। वहीं 9–12 बालिका वर्ग में स्वेता कुमारी ने प्रथम तथा दीपावली कुमारी ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेताओं एवं उपविजेताओं को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने बताया कि चयनित खिलाड़ी अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में मोतिहारी प्रखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली।

घोड़ासहन पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बस स्टैंड से 6.590 किलो अफीम के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले की घोड़ासहन थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड से 6 किलो 590 ग्राम अफीम के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो टचस्क्रीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो महिलाएं अपने शरीर में अफीम छिपाकर बस के माध्यम से कहीं जाने की फिराक में हैं। सूचना के सत्यापन के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। कार्रवाई के दौरान राजस्व पदाधिकारी सकलदेव प्रसाद एवं महिला पुलिस बल की मौजूदगी में बस को चारों ओर से घेर लिया गया। इसके बाद दोनों संदिग्ध महिलाओं को बस से नीचे उतारकर विधिसम्मत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों महिलाओं के पास से अलग-अलग पैकेटों में छिपाकर रखी गई कुल 6.590 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। इसके अलावा उनके पास से दो टचस्क्रीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान सीमा देवी, निवासी गुदरा गांव, थाना सुगौली, पूर्वी चंपारण, तथा बदामी देवी, निवासी वैराटपुर, थाना कलैया, जिला बारा (नेपाल) के रूप में हुई है। इस सफल अभियान में घोड़ासहन के पर्यवेक्षी पदाधिकारी धनंजय कुमार निर्दोष, थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार, राजस्व पदाधिकारी सकलदेव प्रसाद तथा महिला पुलिस बल सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने दोनों आरोपित महिलाओं के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि अफीम की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसके पास पहुंचाया जाना था।

स्वस्थ सिविल कोर्ट से ही होगा स्वस्थ भारत का निर्माण : सचिव डीएलएसए

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों एवं अधिवक्ताओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। शिविर का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने प्रातः 10:25 बजे दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह में न्यायमंडल के सभी न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य जांच शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमंत मिश्रा, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.डी. शादाब अनवर तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की। बड़ी संख्या में न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों और अधिवक्ताओं ने शिविर का लाभ उठाकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की इस पहल की सराहना की। डीएलएसए के सचिव नितिन त्रिपाठी ने पूरे दिन शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा, "स्वस्थ सिविल कोर्ट से ही स्वस्थ भारत का निर्माण संभव है। न्यायिक व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का स्वस्थ रहना न्याय के प्रभावी संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक है।" शिविर का समापन सफलतापूर्वक हुआ। उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार की इस जनहितकारी पहल की प्रशंसा करते हुए ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविरों का नियमित आयोजन किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सीआईडी की वैज्ञानिक जांच और लोक शिकायत प्राधिकारी के आदेश के चार वर्ष बाद भी कार्रवाई नहीं, शिकायतकर्ता ने उठाए सवाल

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़े एक पुराने मामले में शिकायतकर्ता ने प्रशासनिक कार्रवाई में देरी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बिहार सीआईडी की वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट तथा जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी के स्पष्ट आदेश के बावजूद चार वर्ष बीत जाने के बाद भी दोषी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, बिहार सीआईडी, पुलिस प्रयोगशाला, पटना की पत्रांक-170/पुलिस प्रयोगशाला, दिनांक 20 मई 2019 की वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट तथा अपर समाहर्ता (राजस्व)-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण द्वारा वाद संख्या-02/2020 में पारित निर्णय दिनांक 15 जून 2021 एवं ज्ञापांक-141, दिनांक 30 जुलाई 2021 में आवश्यक कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वैज्ञानिक जांच में हस्ताक्षर संबंधी तथ्यों के स्पष्ट होने और सक्षम प्राधिकारी द्वारा आदेश पारित किए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने आदेशों का अनुपालन नहीं किया। उनका कहना है कि इसके विपरीत भ्रामक एवं तथ्यहीन जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उच्च अधिकारियों को गुमराह किया गया, जिससे कथित रूप से जन वितरण प्रणाली से जुड़े संबंधित व्यक्तियों को बचाने का प्रयास हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जांच पूरी होने और आदेश जारी होने के लगभग चार वर्ष बाद भी न तो किसी दोषी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही विभागीय स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई की गई। इससे प्रशासनिक जवाबदेही और सरकारी आदेशों के अनुपालन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ता ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा जन वितरण प्रणाली में कथित अनियमितताओं के दोषियों के विरुद्ध शीघ्र विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

सेवा, संकल्प और समर्पण के 100 दिन पूरे होने पर सजा सांस्कृतिक महोत्सव, कलाकारों व शिक्षकों का हुआ सम्मान

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार सरकार के 'सेवा, संकल्प, समर्पण' के 100 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार की शाम शहर के महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने देशभक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित मनमोहक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।ग्रामीण व पारंपरिक परिधानों में सजी छात्राओं ने समूह गीत और समूह नृत्य के माध्यम से बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति की जीवंत झांकी प्रस्तुत की। उनकी आकर्षक प्रस्तुतियों ने प्रेक्षागृह में मौजूद दर्शकों का मन मोह लिया।समारोह की अंतिम प्रस्तुति जिले के सुप्रसिद्ध गायक कुमार बादल की रही। उन्होंने अपनी मधुर एवं सधी हुई आवाज में एक से बढ़कर एक ग़ज़लें प्रस्तुत कर श्रोताओं को संगीत के रस में सराबोर कर दिया। तबले पर अनुराग मिश्रा ने उत्कृष्ट संगत कर प्रस्तुति में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम को सफल एवं आकर्षक बनाने में संगीत शिक्षिका रत्ना प्रिया, माला कुमारी, कुंदन वत्स तथा विकास कुमार की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।समारोह के समापन पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरि, वरीय उपसमाहर्ता निधि कुमारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी फहद सिद्दीकी तथा वरीय संस्कृतिकर्मी संजय पाण्डेय ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी ने सरकारी विद्यालयों के 10 शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

चार माह पहले हुई थी शादी, नवविवाहिता की संदिग्ध मौत से सनसनी

बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र की मुरारपुर पंचायत के बघउत वार्ड संख्या-10 में शनिवार को एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान कबीता देवी (22), पति रणधीर कुमार के रूप में हुई है। दोनों की शादी करीब चार माह पहले ही हुई थी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और सनसनी का माहौल है। स्थानीय लोगों के बीच जहर खाने से मौत होने की चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामला आत्महत्या का है या हत्या का, इसे लेकर पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने के साथ परिजनों एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की। प्रभारी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल रिपोर्ट तथा अन्य वैज्ञानिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

शतरंज प्रतियोगिता में पदुमकेर के आर्यन जायसवाल बने प्रखंड चैंपियन, अब जिला स्तर पर करेंगे पताही का प्रतिनिधित्व

बीएनएम@ पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी भवन परिसर में आयोजित प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पदुमकेर गांव के छात्र आर्यन जायसवाल ने शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इस शानदार उपलब्धि के साथ उन्होंने आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान भी सुनिश्चित कर लिया है। आर्यन जायसवाल, सुनील कुमार चौधरी के पुत्र एवं पदुमकेर गांव के निवासी हैं। उनकी सफलता पर प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) शंकर कुमार ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। बीईओ ने आर्यन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें आत्मविश्वास, एकाग्रता और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करती हैं। प्रखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब आर्यन जायसवाल आगामी 31 जुलाई को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पताही प्रखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। आर्यन की सफलता पर पदुमकेर गांव के ग्रामीणों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रखंड एवं जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 294 बोतल नेपाली शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल की। वाहिनी के बाह्य सीमा चौकी अगरवा की नाका पार्टी ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में प्रतिबंधित नेपाली शराब बरामद की तथा दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, नाका जांच के दौरान सुरक्षा बलों ने नेपाल से भारत की ओर आ रही एक मोटरसाइकिल को रोका, जिस पर जूट के दो बोरे लदे हुए थे। जवानों द्वारा रुकने का संकेत देने पर दोनों सवार मोटरसाइकिल और बोरे छोड़कर गांव की ओर भागने लगे। हालांकि, एसएसबी के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान राजू कुमार (पिता–रामनिवास साह) एवं रंजन कुमार (पिता–नंदकिशोर साह), दोनों निवासी ग्राम झाझरा, थाना जितना, के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि जूट के बोरों में नेपाली शराब रखी गई थी। तलाशी लेने पर बोरों से नेपाली कस्तूरी ब्रांड की 240 बोतल (प्रत्येक 300 एमएल) तथा नेपाली एम्बिशन ब्रांड की 54 बोतल (प्रत्येक 300 एमएल) बरामद हुई। इस प्रकार कुल 294 बोतल प्रतिबंधित नेपाली शराब जब्त की गई। एसएसबी ने गिरफ्तार दोनों तस्करों, बरामद शराब एवं मोटरसाइकिल को जब्ती सूची तैयार कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए जितना थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त गश्ती, सुरक्षा समन्वय और निगरानी हुई मजबूत

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईएनबी) पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शनिवार को 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के जवानों ने संयुक्त गश्ती अभियान चलाया। अभियान का आयोजन 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन तथा उप निरीक्षक पूना दैमारी के नेतृत्व में जी-समवाय बड़हरवा के कार्यक्षेत्र में किया गया। संयुक्त गश्ती से पूर्व दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय बैठक भी आयोजित की गई। इसके बाद जवानों ने सीमा क्षेत्र की पगडंडियों, सड़कों और अन्य मार्गों पर संयुक्त रूप से गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्ती दल के पार्टी कमांडर उप निरीक्षक पूना दैमारी ने बताया कि यह अभियान नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसके तहत निर्धारित अंतराल पर दोनों देशों के सुरक्षा बल आपसी समन्वय के साथ सीमा पर निगरानी रखते हैं। इससे अवैध आवागमन, तस्करी और अन्य असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलती है। संयुक्त गश्ती के दौरान दोनों देशों के जवानों ने सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान किया। साथ ही सीमा पार अपराधों की रोकथाम, सीमा रेखा पर अतिक्रमण, सीमा के निकट स्थित मदिरा दुकानों की जानकारी तथा अन्य सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के नियमित समन्वय और संयुक्त अभियान से सीमा प्रबंधन और अधिक प्रभावी एवं मजबूत होगा।

संक्षिप्त समाचार

पलनावा में वाहन जांच के दौरान 2.6 किलो गांजा के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम@ रामगढ़वा। भारत-नेपाल सीमा से सटे पलनावा थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार को 2.6 किलोग्राम गांजा के साथ एक नेपाली युवक को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई डिबनी टोला छठ घाट के समीप सघन वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम अपराध नियंत्रण एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार युवक पुलिस को देखकर घबरा गया और उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल की सीट के नीचे तथा टंकी के नीचे विशेष रूप से बनाए गए खांचे से प्लास्टिक की थैलियों में रखा 2.6 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और मोटरसाइकिल दोनों को जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बीरबहादुर महतो, पिता चनर महतो, निवासी भथौड़ा, नेपाल के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नेपाल से गांजा लाकर आगे किसी व्यक्ति तक पहुंचाने जा रहा था। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और पूरे गिरोह की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान में अपर थानाध्यक्ष भीम सिंह, सुधीर कुमार सहित पलनावा थाना के अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल रहे।

जनता दरबार में भूमि विवादों की सुनवाई, दो मामलों का निष्पादन, पांच नए आवेदनों पर नोटिस जारी

बीएनएम@ रामगढ़वा। स्थानीय अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को आयोजित जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। अंचल अधिकारी अमित कुमार एवं रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया गया। अंचल प्रशासन के अनुसार, जनता दरबार में पूर्व से लंबित दो भूमि विवाद मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन कर दिया गया। वहीं, शनिवार की सुनवाई के दौरान पांच नए आवेदन प्राप्त हुए। सभी नए मामलों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर दिया गया है, ताकि नियमानुसार सुनवाई कर विवादों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। अंचल अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि जनता दरबार का उद्देश्य भूमि विवादों का पारदर्शी, निष्पक्ष और आपसी सहमति के आधार पर समाधान कर लोगों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नए प्राप्त आवेदनों का भी नियमों के अनुरूप जल्द निष्पादन किया जाएगा। जनता दरबार के दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अंचल कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि भूमि विवादों के मामलों में त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

विद्यालय परिसर में नीम का पौधारोपण

बीएनएम@ समस्तीपुर! सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के तहत शनिवार को राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय, सुल्तानपुर बिचला टोल परिसर में नीम का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधान शिक्षक अशोक राम ने की, जबकि अभियान का नेतृत्व भाई रणधीर, एक्टिविस्ट, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पौधारोपण के साथ-साथ सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा की तथा लोगों से प्लास्टिक का प्रयोग बंद कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। प्रधान शिक्षक अशोक राम ने कहा कि पौधारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। वहीं भाई रणधीर ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति और अधिक से अधिक पौधारोपण ही स्वच्छ एवं स्वस्थ बिहार के निर्माण का आधार है।

गोविन्दगंज थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक राजू कुमार मिश्रा का भव्य विदाई-सह-सम्मान समारोह संपन्न

बीएनएम@ अरेराज

गोविन्दगंज थाना क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली, प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा से क्षेत्रवासियों के दिलों में अमिट छाप छोड़ने वाले गोविन्दगंज थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक राजू कुमार मिश्रा के सम्मान में एक विशाल तथा भव्य विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह गरिमामय कार्यक्रम शनिवार, 25 जुलाई 2026 को संध्या 5:00 बजे अरेराज के लौरिया स्थित पाण्डेय वाटिका होटल एंड बैंक्वेट हॉल के विशाल प्रांगण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गोविन्दगंज की समस्त जनता के सौजन्य और निवेदन से आयोजित इस विदाई समारोह में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों तथा पुलिस-प्रशासनिक तंत्र से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, नगर अध्यक्ष रंटू पांडेय, अंचलाधिकारी (सी.ओ.) विनोद पांडेय, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बी.डी.ओ.) आदित्य नारायण दीक्षित, पर्यवेक्षी पदाधिकारी प्रणय कुमार तथा थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा राजू कुमार मिश्रा को भव्य फूल-माला पहनाकर, अंगवस्त्र तथा प्रतीक चिह्न भेंट कर उनका भावभीना अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित एवं थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय सहित अन्य वक्ताओं ने राजू कुमार मिश्रा के अद्वितीय प्रशासनिक समन्वय और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली की जमकर सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने न केवल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं चुस्त-दुरुस्त बनाए रखा, बल्कि आम जनता के साथ भी एक बेहद सौहार्दपूर्ण, पारदर्शी और आत्मीय संबंध स्थापित किया। राजू कुमार मिश्रा की प्रशासनिक पकड़ और जनसेवा पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने में बड़ी सफलता मिली। एक ओर जहाँ वे अपराधियों के प्रति सख्त रुख रखते थे, वहीं दूसरी ओर आम पीड़ितों की बात को गंभीरता से सुनकर त्वरित न्याय दिलाना उनकी कार्यप्रणाली की मुख्य पहचान रही। उनकी इसी कार्यशैली के कारण क्षेत्र में पुलिस की एक विश्वसनीय और जन-हितैषी छवि कायम हुई। समारोह के अंतिम चरण में विदाई के क्षण आते ही पूरा माहौल अत्यंत भावुक हो गया। उपस्थित अधिकारियों, स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं सहयोगियों ने राजू कुमार मिश्रा के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और आगे के कार्यकाल में निरंतर सफलता की कामना की। अंत में पूरे मान-सम्मान और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच गोविन्दगंज की जनता ने अपने प्रिय पुलिस अधिकारी को सहृदय विदाई दी।

रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी की पहलः जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क होगा इलाज

बीएनएम@ मोतिहारी

रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी ने रोटरी सत्र 2026-27 के तहत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के निःशुल्क उपचार का विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत जिले के दो बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल भेजा गया है, जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। ज्ञानबाबू चौक स्थित अंबिका डेंटल हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रोटरी के पूर्व जिलापाल रो. बिंदु सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब की सेवा गतिविधियां समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि जन्मजात हृदय रोग का उपचार काफी महंगा और जटिल होता है, लेकिन रोटरी क्लब पूरी उपचार प्रक्रिया का आर्थिक दायित्व उठाकर यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण इलाज से वंचित न रहे। गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम के सह-अध्यक्ष रो. डॉ. अमित ने बताया कि चयनित दोनों बच्चों का ऑपरेशन रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी एवं नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, हावड़ा के सहयोग से पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा। बच्चों के साथ गए अभिभावकों के रहने और भोजन की व्यवस्था भी रोटरी क्लब द्वारा की गई है। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डॉ. विवेक गौरव, रो. विभूति नारायण सिंह, रो. कृष्णा राजगढ़िया, रो. धर्मेंद्र सिंह, रो. महेश प्रसाद सिन्हा, रो. संजय जायसवाल, रो. उज्ज्वल जायसवाल, रो. अभिमन्यु कुमार सहित कई रोटेरियन उपस्थित रहे। रोटरी क्लब के सचिव रो. राहुल अग्रवाल ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित एक बच्चे के इलाज पर लगभग चार से पांच लाख रुपये तक का खर्च आता है। उन्होंने जिले के लोगों से अपील की कि यदि किसी बच्चे को जन्मजात हृदय रोग है और उसका परिवार आर्थिक रूप से इलाज कराने में असमर्थ है, तो वे रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि जन्मजात हृदय रोग किसी भी बच्चे के भविष्य के सामने बाधा न बने। रोटरी क्लब का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रामगढ़वा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 7 लीटर देसी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, शराब पीते पांच लोग भी धराए

बीएनएम@ रामगढ़वा

अवैध शराब के कारोबार और सेवन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगढ़वा थाना पुलिस ने शुक्रवार को दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए एक शराब तस्कर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तस्कर के कब्जे से सात लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने बताया कि पहली कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने रामगढ़वा थाना कांड संख्या-366/26 के तहत सिंगासनी गांव में छापेमारी कर बद्री राम (58), पिता स्वर्गीय राधा राम, को 7 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। बरामद शराब को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं दूसरी कार्रवाई के दौरान शराब सेवन के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में रामगढ़वा थाना कांड संख्या-367/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में बुधन राम (37), पिता स्व. बच्चन राम, निवासी आमोदेई; लालजी दास (32), पिता राधा दास, निवासी आमोदेई; अरविंद कुमार गुप्ता (54), पिता स्व. डॉ. यादवलाल प्रसाद, निवासी रामगढ़वा; तथा रक्सौल थाना क्षेत्र के अनिल यादव (23), पिता झाकड़ यादव एवं नरेंद्र कुमार (19), पिता किशोर यादव शामिल हैं। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने बताया कि सभी आरोपियों की चिकित्सीय जांच एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार और सेवन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण अनुश्रवण समिति की हुई बैठक, 31 जुलाई तक शत-प्रतिशत राशन वितरण के निर्देश

बीएनएम@ अरेराज

अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को अनुमंडलीय सभागार, अरेराज में अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति (खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण) की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत खाद्यान्न वितरण, राशन कार्ड निर्माण, ई-केवाईसी तथा वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अरेराज अनुमंडल के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, टीपीडीएस गोदाम के सभी सहायक प्रबंधक तथा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की निर्धारित मात्रा की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) राशन कार्डधारियों को प्रति सदस्य दो किलोग्राम गेहूं एवं तीन किलोग्राम चावल, जबकि अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के लाभार्थियों को प्रति परिवार 14 किलोग्राम गेहूं एवं 21 किलोग्राम चावल उपलब्ध कराया जाता है। बैठक में जुलाई माह के खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए बताया गया कि अरेराज अनुमंडल में अब तक कुल राशन कार्डधारियों में से लगभग 88 प्रतिशत लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। शेष लाभार्थियों तक भी 31 जुलाई 2026 तक हर हाल में खाद्यान्न पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर वितरण व्यवस्था की निगरानी करने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न से वंचित न रहे। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों से भी अपने-अपने क्षेत्रों में लाभार्थियों को उनके अधिकारों, खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि तथा सरकारी प्रावधानों के संबंध में जागरूक करने का अनुरोध किया गया, ताकि समय पर सभी पात्र परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में सरकार द्वारा छूटे हुए पात्र परिवारों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान की भी विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि 26 जुलाई 2026 तक तथा 27 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक पंचायत स्तर पर आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। विकास मित्र, पंचायत सचिव एवं अन्य पंचायत स्तरीय कर्मियों को पात्र परिवारों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन लेकर प्रतिदिन संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आवेदनों को स्मार्ट पीडीएस पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करने के बाद उनका स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। जांच में पात्र पाए जाने वाले परिवारों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत राशन कार्ड जारी किया जाएगा। आवेदन के साथ आधार कार्ड, संयुक्त पारिवारिक फोटो, सभी सदस्यों के अलग-अलग फोटो, आय, निवास एवं आवश्यकतानुसार जाति प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। बैठक में यह भी बताया गया कि नया स्मार्ट पीडीएस पोर्टल प्रारंभ होने के कारण कुछ तकनीकी समस्याएं सामने आई हैं, जिनके समाधान के लिए तकनीकी टीम लगातार कार्य कर रही है। राशन कार्ड निर्माण, संशोधन अथवा अन्य समस्याओं के समाधान के लिए लाभार्थी अपने संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्रता मानकों के अनुरूप प्राप्त आवेदनों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करें। साथ ही क्षेत्र भ्रमण के दौरान चिन्हित पात्र परिवारों को शीघ्र राशन कार्ड उपलब्ध कराने तथा अपात्र लाभार्थियों के राशन कार्ड निरस्त करने के लिए नियमानुसार प्रस्ताव भेजने का भी निर्देश दिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों को बताया गया कि राशन कार्ड में दर्ज प्रत्येक सदस्य का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। लाभार्थी अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता की ई-पॉस मशीन के माध्यम से यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। विभाग द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर ई-केवाईसी नहीं कराने पर भविष्य में राशन प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए समिति के सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को ई-केवाईसी के प्रति जागरूक करने और अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की गई।

लखनऊ से दबोचा गया एनडीपीएस एक्ट का फरार मास्टरमाइंड, रामगढ़वा पुलिस और यूपी एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई

बीएनएम@ रामगढ़वा

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में रामगढ़वा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य सरगना विकास कुमार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई रामगढ़वा थाना पुलिस और उत्तर प्रदेश एसटीएफ (STF) की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, रामगढ़वा थाना कांड संख्या-341/26 के नामजद अभियुक्त विकास कुमार (पिता-स्वर्गीय शिवजी सहनी, निवासी-मलाही टोला, थाना रामगढ़वा) घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। पूर्व में रामगढ़वा थाना क्षेत्र के कोठी रोड स्थित एक ठिकाने से गिरफ्तार किए गए मादक पदार्थ तस्करों से पूछताछ के दौरान विकास कुमार के नेटवर्क और उसकी भूमिका का खुलासा हुआ था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर उसकी तलाश शुरू की। सूचना मिली कि अभियुक्त लखनऊ में छिपा हुआ है। इसके सत्यापन के बाद रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने उत्तर प्रदेश एसटीएफ के सहयोग से लखनऊ में छापेमारी कर विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क का मुख्य सरगना है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर पूरे गिरोह, उसके सहयोगियों और तस्करी के नेटवर्क की कड़ियों को खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आगे भी कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार विकास कुमार के विरुद्ध पहले से भी एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। इनमें रामगढ़वा थाना कांड संख्या-395/25, रक्सौल थाना कांड संख्या-268/26 तथा रामगढ़वा थाना कांड संख्या-341/26 शामिल हैं। इस सफल अभियान में रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद, पर्यवेक्षी पदाधिकारी अनुज पांडेय, रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर, पुलिस अवर निरीक्षक सुमित कुमार प्रसाद, मनीष कुमार तथा रामगढ़वा थाना के सशस्त्र बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पताही सीएचसी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदलः डॉ. शंकर बैठा हटाए गए, डॉ. सुधांशु रंजन बने नए प्रभारी

बीएनएम@ पताही

पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में हाल ही में एक वृद्ध मरीज की मौत के बाद हुए हंगामे और प्रशासनिक जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण द्वारा जारी आदेश के तहत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सह निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी डॉ. शंकर बैठा को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह डॉ. सुधांशु रंजन को सीएचसी का नया प्रभारी एवं निकासी-व्ययन पदाधिकारी बनाया गया है। बताया जाता है कि कुछ दिन पूर्व सीएचसी पताही में एक वृद्ध मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर जांच की थी। इसके अलावा पकड़ीदयाल की अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) ने भी अस्पताल का निरीक्षण कर पूरे प्रकरण की जांच की और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी थी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि एसडीओ की जांच रिपोर्ट एवं जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में यह प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। आदेश के अनुसार, सीएचसी के वरिष्ठतम चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मोहन लाल प्रसाद के अवकाश पर रहने के कारण डॉ. सुधांशु रंजन को बिहार कोषागार संहिता, 2011 के नियम-84 के तहत निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी घोषित किया गया है। साथ ही उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पताही तथा इसके अधीन संचालित सभी अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का प्रभार भी सौंपा गया है। डॉ. सुधांशु रंजन को निर्देश दिया गया है कि वे आदेश प्राप्त होने के तीन दिनों के भीतर विधिवत प्रभार ग्रहण कर इसकी सूचना सक्षम प्राधिकार को उपलब्ध कराएं। इस संबंध में जारी आदेश की प्रतिलिपि जिलाधिकारी समेत स्वास्थ्य विभाग के सभी संबंधित अधिकारियों को भी भेज दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई को हाल के दिनों में सीएचसी पताही में सामने आई प्रशासनिक अनियमितताओं और वृद्ध मरीज की मौत के बाद उत्पन्न विवाद के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विभागीय आदेश में कार्रवाई का आधार अनुमंडल पदाधिकारी की जांच रिपोर्ट और जिलाधिकारी के निर्देश को ही बताया गया है।

छीना-झपटी ठीक नहीं

विपक्ष को कॉकरोच आंदोलन में 'राजनीतिक पूंजीÓ नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने का है, लेकिन इन पार्टियों में अभी से इसकी छीना-झपटी के संकेत मिलने लगे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन देशवासियों के बड़े हिस्से का ध्यान खींचने में सफल रहा है। सोमवार को उसके संसद मार्च के दौरान बड़े पैमाने पर छात्रों पर दमन ने उसके एंजेडे के लिए समर्थन में और इजाफा किया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर डालने के लिए जगह-जगह हुए स्वतःस्फूर्त प्रतिरोध से साफ है कि जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ हो गया है। ऐसे में विपक्षी दलों को इस आंदोलन में 'राजनीतिक पूंजीÓ नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने तथा उसे और बढ़ाने का है, लेकिन विपक्षी पार्टियों में अभी से इसकी छीना-झपटी शुरू होने के संकेत मिलने लगे हैं। मंगलवार को उनमें कॉकरोच आंदोलन के प्रति समर्थन जताने की होड़ लग गई। इस दौरान कुछ पार्टियों ने हिरासत से छात्रों को रिहा कराने और जख्मी छात्रों के इलाज में मदद करने की सराहनीय पहल की। लेकिन शाम होते-होते इस पूंजी को ज्यादा से ज्यादा हथियाने की होड़ के संकेत भी मिलने लगे। शुरुआत में कांग्रेस ने "कॉकरोचों" से दूरी बनाए रखी और उसके सोशल मीडिया समर्थक इस आंदोलन के पीछे किसी साजिश का संकेत देखते रहे। इस दौरान कॉकरोचों को आम आदमी पार्टी का मोर्चा या "राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता" से ध्यान भटकाने की भाजपा की साजिश साबित करने की पुरजोर कोशिश उन हलकों में हुई।

लेकिन मंगलवार को जब देश भर से कॉकरोचों के लिए समर्थन उमड़ने लगा, तो कांग्रेस ने प्रधानमंत्री निवास के बाहर हाई प्रोफाइल धरना आयोजित कर दिया। मेनस्ट्रीम मीडिया में इसको मिली अहमियत से आम आदमी पार्टी को जलन महसूस हुई, तो उसके नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच मिलीभगत के आरोप सार्वजनिक रूप से लगा दिए। उधर महीने भर तक मुंह फेरे रहे कई दलों के नेता मंगलवार को हाजिरी लगाने जंतर-मंतर पहुंचे। जबकि होना यह चाहिए था कि ये तमाम दल आत्म-निरीक्षण करते कि जिस तरह जन मानस को कॉकरोचों ने आकर्षित कर लिया है, गुजरे 12 साल में वैसा करने में ये दल क्यों नाकाम रहे हैं?

महाराष्ट्र की दिंडी यात्रा का मध्यप्रदेश से सम्बन्ध

गिरीश जोशी

समय पूरे देश में भक्तिमय वातावरण दिखाई दे रहा है । हाल ही में जगन्नाथ पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हुई । देश में भक्ति आंदोलन की परंपराओं में से एक आषाढ़ एकादशी पर भगवान विट्ठल के दर्शन हेतु पहुंचने वाली दिंडी यात्राएं भी महाराष्ट्र में शुरू हो गयी हैं। इस यात्रा की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। लाखों लोग इस यात्रा में हर साल शामिल होते हैं । महाराष्ट्र में आषाढ़ मास की एकादशी के अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के विट्ठल स्वरूप के दर्शन करने के लिए पंढरपुर पहुंचते हैं। पंढरपुर की इस यात्रा को वारि कहा जाता है। इस यात्रा में सभी भक्त पूज्य संतों के स्थान से उनकी पवित्र चरण पादुकाओं को पालकी में रख कर पैदल निकल पड़ते हैं। उसके आगे संतों द्वाररचित अभंगों का गायन करते हुएवारकरी भक्त चलते हैं। इस शोभा यात्रा को दिंडी कहा जाता है। विगत आठ–नौ सौ वर्षों में वारकरी परंपरा का अनुसरण करते हुए अनेक बड़े-बड़े संत हुए हैं। खास बात यह है कि ये सभी संत समाज के अलग-अलग घटकों से निकले हैं, संत ज्ञानेश्वर द्वारा शुरू की गई इस परंपरा का अनुसरण करते हुए जिसमें खासतौर पर संत तुकाराम, संत एकनाथ, संत चोखा मेला, सन्त गोरा कुंभार, संत सेन महाराज, संत सावता माली, संत नरहरी सोनार जैसे संत हुए हैं । वारकरी संप्रदाय की एक विलक्षण आचार पद्धति है। जिसमें सभी बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे के चरण छूते हैं। वे मानते हैं कि सभी प्राणियों के भीतर एक ही ईश्वर का अंश है। इसलिए वह आपस में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखते हैं। आज जब समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयोग किए जा रहे हैं ऐसे समय में संत ज्ञानेश्वर महाराज द्वारा लगभग आठ सौ वर्ष पूर्व शुरू किया गया यह प्रयोग आज भी सफल है, निरंतर चल रहा है।

जिस संत की समाधि पंढरपुर से जितनी दूरी पर है उतनी दूरी को पैदल चलकर पूरा करने में जितना समय लगता है उस समय के आधार पर दिंडी यात्राएं संतों के समाधि मंदिरों से निकलना शुरू होती है। सभी वारकरी भक्त अपने साथ केवल रोजमर्रा के लिए काम आने वाला सामान जैसे कुछ कपड़े, सहारे के लिए लकड़ी आदि लेकर चलते हैं। पूरे दिंडी मार्ग पर समाज द्वारा उनके भोजन, आवास आदि की व्यवस्था की जाती है, ये क्रम परपरागत रूप से अनेक वर्षों से चला आ रहा है । कुछ वर्षों पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने निर्मल वारी के नाम से एक सफल प्रयोग शुरू किया। इस यात्रा में लाखों की संख्या में भक्तजन एक ही निर्धारित मार्ग से चलते हैं, इसलिए मार्ग में किसी प्रकार का कचरा ना हो, गंदगी ना हो, प्रातः कालीन विधि के दौरान उत्सर्जित होने वाले मल का समुचित निस्तारण हो इसके

लिए संघ के स्वयंसेवकों ने एक बड़ा अभियान चलाया जिसे बड़ी सफलता मिली है । वर्तमान दिंडी यात्रा के स्वरूप का मध्यप्रदेश से संबंध है। मध्यप्रदेश में तत्कालीन सिंधिया स्टेट में हैबत राव पवार एक सेना अधिकारी थे, वे भगवान विट्ठल के अनन्य भक्त थे, संत ज्ञानेश्वर पर उनकी बड़ी निष्ठा और श्रद्धा थी। जब वे सेवानिवृत हुए तब उन्होंने पुनः अपने जन्म स्थान महाराष्ट्र में अरफल जाने की इच्छा महाराज के सामने रखी। महाराज ने उन्हें बड़ी धनराशि और सोने चांदी के जेवर आदि देकर सम्मान के साथ विदा किया। रास्ते में एक स्थान पर जनजाति समुदाय की एक टोली ने उनका रास्ता रोका, धन संपत्ति को लूट लिया। इस झड़प में उनके साथ चल रहे अनेक सैनिक भी मारे गए। हैबत राव को एक गुफा में बंद कर दिया गया। जब वह गुफा में बंद थे तब उन्हें लगा कि अब यहीं उनका अंत होने वाला है। उन्होंने भगवान विट्ठल की प्रार्थना और संत ज्ञानेश्वर को हृदय की गहराई से पुकार लगना शुरू किया। ऐसा कहा जाता है कि संत ज्ञानेश्वर ने उस टोली के मुखिया की पत्नी को जिसे लंबे समय से संतान नहीं हो रही थी, के स्वप्न में आकर कहा कि यदि तूम मेरे इस भक्त को छोड़ देते हो तो तुम्हें संतान प्राप्ति होगी। उसने ये बात अपने मुखिया पति को बताई। टोली ने हैबत राव को छोड़ दिया। लेकिन इस बात का हैबत राव जी के मन पर बड़ा परिणाम हुआ और उन्होंने अपने गांव अरफल न जाते हुए संत ज्ञानेश्वर की संजीवन समाधि आळंदी जाने का निश्चय किया। यहां उन्होंने संत ज्ञानेश्वर की समाधि मंदिर की आजीवन सेवा की। सेना में रहने के कारण वे हर काम बड़े अनुशासन और व्यवस्थित पद्धति तरीके से करने के आदी थे। हर साल निकलने वाले दिंडी यात्रा के स्वरूप को देखकर उसे ज्यादा व्यवस्थित, अनुशासित और क्रमबद्ध करने का विचार उनके मन में आया । इसके लिए उन्होंने 1832 में दिंडी यात्रा के लिए भक्तों के चलने का क्रम तय किया। सबसे आगे भगवा ध्वज, बड़े मंजीरे जिन्हें मराठी में टाळ कहते हैं, फिर तंबोरा वादक, पालकी जिसमें संतों की चरण पादुकाएं रहेगी और पीछे सभी वारकरी भक्ति चलेंगे ये क्रम बनाया। इस यात्रा को शाही स्वरूप देने के लिए उन्होंने बेलगांव के सरदार शितोले से अनुरोध किया। उन्होंने पालकी को शाही स्वरूप देने के लिए रेशमी वस्त्र, हाथी और घोड़े और अनेक साजो सामान देना शुरू किया। आज लगभग 196 वर्षों के बाद भी दिंडी इसी स्वरूप में चलती हुई दिखाई देती है। हैबत राव के इस अनुपम कार्य के कारण आज श्रद्धालु उनको हैबत बाबा के नाम से याद करते हैं। होलकर रियासत के जागीरदार श्री विसाजी लाम्भाते भगवान विट्ठल के परम भक्त थे और हर साल महाराष्ट्र के पंढरपुर की वारि में जाते थे। एक बार किसी कारण वे पंढरपुर नहीं जा सके, जिससे वे बड़े दुखी हुए। कहा जाता है उसी रात भगवान विट्ठल ने उनके स्वप्न में आकर दर्शन दिए और कहा कि वे स्वयं उनके पास आ चुके हैं और पास के ही एक कुंड में हैं। स्वप्न में दिखे स्थान से भगवान विट्ठलनाथ की स्वयं स्वयंभू मूर्ति को निकाला गया। पंढरपुर की तरह इंदौर में भी कान्ह और सरस्वती नदी के संगम के पास एक ऐसे स्थान को चुना गया जहाँ नदी अर्धचंद्राकार में मुड़ती है। इस कारण इंदौर के इस क्षेत्र को 'चंद्रभागा' कहा जाने लगा। यहाँ भगवान् विट्ठल जिन्हें पंढरीनाथ भी कहा जाता है के भव्य मंदिर का निर्माण महाराजा मल्हार राव होलकर द्वितीय के शासनकाल के दौरान 1811 से 1833 के बीच करवाया गया । इंदौर के शुकदेव शास्त्रीजी ने 1944 में दिंडी यात्रा शुरू की। इसी प्रकार से 1949 में श्री बापुराव धनावडे ने भी एक दिंडी यात्रा इंदौर में शुरू की। ये यात्राएं आज भी निकलती है। वर्ष 2006-07 में माधव राव सदाशिव राव गोलवलकर (श्री गुरुजी) की जन्मशताब्दी वर्ष में समाज में समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम हो रहे थे। इसे कड़ी में दिंडी यात्रा को बड़ा स्वरुप देने का विचार कर समग्र मराठी समाज, मध्यप्रदेश मंच बनाकर बड़े पैमाने पर इंदौर में दिंडी यात्रा शुरू हुई। आगे चलकर ये यात्रा 2010 में भोपाल, 2013 में छिंदवाड़ा, 2015 में जबलपुर और गत वर्ष से उज्जैन में भी शुरू हुई है। मध्यप्रदेश में पंढरपुर की तर्ज पर ये यात्राएं निकाली जा रही हैं। इस तरह महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने की एक मुख्य कड़ी साबित हो रही है।

(लेखक संस्कृति अध्येता और स्तंभकार हैं)

देर से आए और दुरुस्त भी नहीं हैं!

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस ने छात्रों के मुद्दे पर प्रदर्शन करने में बहुत देरी कर दी। अगर राहुल गांधी 17 जून की अपनी कोटा यात्रा के बाद इस अभियान को जारी रखते तो उनके सामने साख का सवाल नहीं खड़ा होता और न यह आरोप लगता कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि जून में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन शुरू करने में बहुत देर कर दी थी। तीन मई को नीट यूजी की परीक्षा हुई थी और सात मई को पेपर लीक की खबर आ गई थी।

एक साल के अंतराल पर यह दूसरी बार हुआ था। इससे पहले 2024 की नीट यूजी परीक्षा में भी पेपर लीक से लेकर परीक्षा केंद्र मैनेज होने की खबरें आई थीं। उस समय पूरी परीक्षा तो रद्द नहीं हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा था और कई केंद्रों पर दोबारा परीक्षा हुई थी। 2024 की परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे।

तभी एक साल के अंतराल पर फिर नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद छात्रों और युवाओं का उद्वेलित होना स्वाभाविक था। ध्यान रहे पिछले 10 साल में डेढ़ सौ परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें अनेक परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनमें एक लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए थे। तभी मई के पहले हफ्ते में पेपर लीक की खबर आने और 12 मई को परीक्षा रद्द होने के बाद ही कांग्रेस को यह मुद्दा उठाना चाहिए था और सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने इसकी लड़ाई भी सोशल मीडिया में लड़ी। जब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के आधार पर कॉकरोच जनता पार्टी बन गई और उसने छह जून के प्रदर्शन का ऐलान किया तब कांग्रेस ने उसके पीछे पीछे अपना कार्यक्रम घोषित किया।

कांग्रेस ने तय किया कि राहुल गांधी 17 जून को कोटा जाएंगे। उसके बाद एक लंबा गैप होगा, करीब 23 दिन का। फिर वे 10 जुलाई को प्रयागराज और 11 जुलाई को पटना में छात्रों से संवाद करेंगे और उसके बाद इन तीन कार्यक्रमों का समापन दिल्ली में होगा। यह 23 दिन का जो गैप था वह राहुल गांधी की अगंभीरता और उनकी राजनीति में निरंतरता की कमी को दिखाता है। बताया जा रहा है कि उनका 20 दिन से ज्यादा के लिए विदेश दौरे का निजी कार्यक्रम बना हुआ था। गौरतलब है कि लगभग उसी समय नीट यूजी के 23 लाख छात्र और सीबीएसई के 10वीं की बोर्ड के 18 लाख के करीब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे। सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग व्यवस्था ने छात्रों को बहुत परेशान किया था। लेकिन राहुल गांधी ने देश में रहते हुए भी इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया और फिर पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक विदेश चले गए। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी देश के छात्रों व युवाओं को यकीन दिला पाएंगे कि जरुरत होने पर वे उनके साथ खड़े होंगे और उनका मुद्दा उठाएंगे? इसमें संदेह है।

राहुल गांधी ने मंगलवार, 21 जून को प्रधानमंत्री आवास के बाहर जो प्रदर्शन किया वह परफॉर्मेटिव पोलिटिक्स का बेहतरीन उदाहरण है। लेकिन उसके पीछे नैतिक बल और प्रतिबद्धता नदारद है। तभी उनके प्रदर्शन में कांग्रेस के लोग जुटे और कांग्रेस के नेताओं ने भीड़ जुटाई। वह भीड़ उस तरह से ऑर्गेनिक नहीं थी, जैसी जंतर मंतर पर जुटी थी या अब भी जंतर मंतर पर जमी है। छात्रों के ऊपर लाठीचार्ज का मुद्दा उठा कर बुधवार, 22 जुलाई को राहुल गांधी और अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहन कर संसद में पहुंचे। लेकिन वास्तविकता यह है कि जब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे और जंतर मंतर पर लाठी खा रहे थे तब कांग्रेस वहां नहीं थी। इसलिए आगे भी यह यकीन करना मुश्किल होगा कि समय आने पर कांग्रेस वहां मौजूद रहेगी। कांग्रेस के साथ दूसरी समस्या यह है कि उसके शासन में भी प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर लीक होते थे। अकेले राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के पिछले शासन काल में यानी 2018 से 2023 के बीच 19 बड़ी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। जैसे अभी केंद्र सरकार किसी की जिम्मेदारी तय नहीं कर रही है वैसे ही कांग्रेस ने भी राजस्थान में किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की थी। सो, कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने कई स्तर पर विश्वसनीयता का संकट है। यह संकट सिर्फ निरंतरता और प्रतिबद्धता से दूर हो सकता है। राहुल गांधी की राजनीति में कुछ मामलों में प्रतिबद्धता तो दिखती है लेकिन निरंतरता का घनघोर अभाव है।

अब भी वे आंदोलन में हिस्सा लेने तभी उतरे हैं, जब उनका विदेश दौरा पूरा हो गया, संसद का सत्र चालू हो गया और 20 जुलाई को संसद मार्च में छात्रों व युवाओं की उग्र भावनाओं का ज्वार दिल्ली की सड़कों पर दिखा। इससे पहले ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस ने मान लिया था कि इस मामले में अब कोई दम नहीं है क्योंकि 21 जून को दोबारा परीक्षा हो गई और अब तो नतीजे भी आ गए। कांग्रेस के लोग कहेंगे कि राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम में हिस्सा लेने देहरादून गए थे। लेकिन उसमें राज्य में छह महीने बाद होने वाले चुनाव की तैयारियों की चिंता ज्यादा है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि जंतर मंतर पर आंदोलन का नेतृत्व कर रही कॉकरोच जनता पार्टी बहुत प्रतिबद्ध संगठन है। लेकिन उसके पास सोनम वांगचुक का चेहरा है। वांगचुक की भूख हड़ताल ने छात्रों व युवाओं को भरोसा दिलाया और आंदोलन के लिए प्रेरित किया। ऐसी प्रेरणा का भाव कांग्रेस नहीं जगा पा रही है। उसका प्रदर्शन विशुद्ध राजनीतिक गतिविधि है, जिस पर छात्र और उनके अभिभावक कभी भी पूरा यकीन नहीं करेंगे। ऐसा भी हो सकता है कि कांग्रेस की अति सक्रियता छात्रों के मुद्दे को राजनीतिक विमर्श में बदल दे। ऐसा होगा तो भाजपा को फायदा हो जाएगा। तभी बेहतर होता अगर सोनम वांगचुक के आंदोलन से आशंकित होने और उसे हाईजैक करने की कोशिश करने की बजाय कांग्रेस उसे वैसे ही मजबूत करती, जैसे अन्ना हजारे के आंदोलन को भाजपा व आरएसएस ने मजबूत किया था। अगर एक बड़े मुद्दे पर छात्र व युवा आंदोलित होंगे तो चुनावों में अंततः उसका लाभ कांग्रेस को ही मिलेगा क्योंकि वह मुख्य विपक्षी पार्टी है और उसके पास अखिल भारतीय संगठन है। आखिर अन्ना हजारे के आंदोलन का लाभ भी अरविंद केजरीवाल और भाजपा दोनों को मिला था।

जंतर-मंतरः आग अभी बुझी नहीं है

श्रुति व्यास

लुटियन दिल्ली को सोमवार को जिस छात्र आंदोलन ने झकझोरा था, उसकी आग अब भी बुझी नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब इस आंदोलन को सबसे अधिक ऊर्जा जेनरेशन-जेड का रचनात्मक हास्य है। गुस्सा है, लेकिन उसके साथ व्यंग्य है, मीम हैं, तख्तियों पर लिखी चुटीली पंक्तियाँ हैं और व्यवस्था को चुनौती देने का एक नया आत्मविश्वास भी।

राहुल गांधी की हिरासत के एक दिन बाद बुधवार को दिल्ली के संसद इलाके का माहौल तनावपूर्ण था, लेकिन वजह बदल चुकी थी। सरकार के लिए यह घेराबंदी का एक और दिन था। वही छात्रों के लिए आंदोलन का एक और सामान्य दिन—जोश, धैर्य और जिद से भरा हुआ। लुटियंस दिल्ली अब भी एक ऐसे शहर की तस्वीर है, जो किसी बड़े टकराव की आशंका में खुद को किले में बदला हुआ है। प्रधानमंत्री आवास से संसद की ओर जाने वाली सड़कें बैरिकेडिंग की कई परतों के पीछे गुम थीं। पश्चिम बंगाल और कश्मीर से भी अतिरिक्त सुरक्षा बल बुलाए गए है। राजधानी की परिचित हरियाली पर मानों नीले और खाकी रंग का कब्जा। दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ, दंगा-रोधी वाहन, अश्रु गैस, धुआँ छोड़ने वाले लॉन्चर और लाठियाँ थामे जवान हर चौराहे पर मौजूद। मानो पूरा सत्ता क्षेत्र एक ही संदेश दे रहा हो—राज्य किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। सुबह से खान मार्केट, जोर बाग और इंद्रप्रस्थ सहित सोलह मेट्रो स्टेशन बंद थे। लेकिन इन सबका छात्रों पर कोई खास असर नहीं दिखाई दिया। वे लगातार बसों, मेट्रो के खुले स्टेशनों और ऑटो से जंतर-मंतर पहुँचते रहे। आज जब मैं आंदोलन के केंद्र जंतर-मंतर पहुँची तो मंच पर अभिजीत दिपके मौजूद थे। उनके आसपास मीडिया का घना घेरा था। उसी घेरे में समर्थन देने आने वाले राजनीतिक नेताओं की आवाजाही भी लगी हुई थी। लेकिन असली आंदोलन उस घेरे के बाहर था। उमस से भरे आसमान के नीचे सैकड़ों छात्र ज़मीन पर पालथी मारकर बैठे थे। कोई नारे लगा रहा था, कोई गीत गा रहा था, कोई हाथ से बने पोस्टर लहरा रहा था और कोई अपने साथियों का हौसला बढ़ा रहा था। आज मेरी मुलाकात कई ऐसे छात्रों से हुई जो पहली बार किसी प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इंदौर से आए तीन युवक पूरी रात यात्रा करके बुधवार तड़के दिल्ली पहुँचे थे। उन्हें किसी संगठन ने नहीं बुलाया था। वे सोशल मीडिया पर आंदोलन के वीडियो देखकर यहाँ आए थे। हम

इसलिए आए क्योंकि लगा कि दूसरे छात्रों के साथ खड़ा होना चाहिए, उनमें से एक ने मुझसे कहा। सिर्फ एकजुटता दिखाने के लिए नहीं, बल्कि इसलिए कि व्यवस्था को कोई तो ठीक करने की कोशिश करे। फिर उसने एक ऐसी बात कही जिसने शायद पूरे आंदोलन का सबसे सटीक अर्थ सामने रख दिया। जब मैंने पूछा कि पेपर लीक तो वर्षों से होते आए हैं, फिर यह आंदोलन अलग क्यों है, तो उसने बिना एक पल रुके कहा, पिछली पीढ़ी ने इसे स्वीकार कर लिया था। उन्हें कभी लगा ही नहीं कि गलत को गलत कहकर बदला भी जा सकता है। अगर उन्होंने तब सवाल पूछे होते, तो शायद आज हमें यहाँ खड़ा नहीं होना पड़ता। उसके इतना कहते ही आसपास बैठे छात्रों ने तालियाँ बजानी शुरू कर दीं। उस एक संवाद ने वह बात समझा दी जिसे आँकड़े कभी नहीं समझा सकते। इस आंदोलन की ताकत सिर्फ इसकी संख्या में नहीं, बल्कि उस स्पष्टता में है जिसके साथ नई पीढ़ी अपने गुस्से को शब्द देती हुई है। अगर सोमवार ने इस आंदोलन के जन्म की घोषणा की थी, तो बुधवार ने साबित कर दिया कि उसमें टिके रहने की क्षमता भी है। बुधवार तक आते-आते यह आंदोलन अपना अलग जीवन जीने लगा है। यह अब सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा समुदाय बन चुका है जहाँ असहमति केवल नारों से नहीं, व्यंग्य और हास्य से भी व्यक्त हो रही है। भीड़ में हँसी उतनी ही सहजता से फैल रही थी जितनी नारेबाज़ी। अनजान लोग एक-दूसरे का ख़याल रख रहे थे। और सबसे उल्लेखनीय बात यह थी कि लगभग पूरा प्रबंधन स्वयं छात्रों के हाथ में था। दस-दस, बारह-बारह छात्रों के छोटे समूह बारिश से भीगी सड़कों पर अपनी जगह बनाए बैठे थे। कोई रातभर सफर करके आया था और योगा मैट पर थोड़ी देर के लिए सो गया था। कोई किताब पढ़ रहा था। कहीं आंदोलन के गीत गूँज रहे थे। कहीं संविधान पर बहस चल रही थी। कहीं कोई अचानक खड़ा होकर भाषण देने लगा था। और कहीं अनजान लोग एक-दूसरे के साथ बिस्कुट और पानी बाँट रहे थे। नारों के बीच-बीच में ठहाके लगातार सुनाई देते रहे। सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात उनका अनुशासन था। स्वयंसेवकों ने मानव श्रृंखलाएँ बनाकर आने-जाने के रास्ते खुले रखे। कुछ लोग पानी बाँट रहे थे। कुछ नए आने वालों को छाँव की ओर भेज रहे थे। कुछ थके हुए प्रदर्शनकारियों को गत्ते के टुकड़ों से हवा कर रहे थे, क्योंकि दिल्ली की उमस किसी की परीक्षा लेने में कोई कसर नहीं छोड़ रही थी। मेरे लिए ऐसे दिन में घूमना, रिपोर्टिंग करना खुद बेहद थका देने वाला अनुभव था। लेकिन छात्रों ने मानो तय कर लिया है कि न मौसम और न थकान—उनके रास्ते की कुछ भी नई बाधा नहीं बनेगा। उनके पोस्टरों में जेनरेशन-ज़ेड की अपनी राजनीतिक भाषा साफ दिखाई देती है—तीखी, चतुर, आत्मसजग और बेधड़क व्यंग्यात्मक। मीम अब कार्डबोर्ड पर है। संविधान के उद्धरणों के साथ व्यंग्य, तीखा कटाक्ष सहजता से खड़ा मिला। यहाँ हास्य राजनीति से बचने का माध्यम नहीं था; वही राजनीति की सबसे प्रभावी भाषा बन चुका था। मेरी मुलाकात आईपी विश्वविद्यालय के कानून के छात्रों से हुई, इग्नू के बीस वर्षीय छात्र से हुई, इंजीनियरिंग स्नातकों से हुई, एमबीए की तैयारी कर रहे युवाओं से हुई और ऐसे अनेक छात्रों से हुई जो पहली बार किसी आंदोलन में आए थे।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज किसी करीबी मित्र से मुलाकात सुखद और सुकून देने वाली रहेगी।आज रात को सबके साथ बाहर डिनर करने भी जा सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को आज अपने काम में मुनाफा मिलेगा। वैवाहिक जीवन में आज सुख समृद्धि बनी रहेगी। डायबिटीज और ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याओं से आज राहत मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं।

मिथुन राशि : आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि : आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है। ससुराल पक्ष से आज शुभ समाचार मिलने का योग नजर आ रहा है।

कन्या राशि : आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है।

तुला राशि : आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा। आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते है जिससे आज आप कुछ नया क्रिएटिव करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा जिससे खुश होकर बॉस आपका प्रमोशन कर सकते हैं। वकीलों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है किसी जरूरी केस का फैसला आज उनके पक्ष में आएगा।

धनु राशि : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं, अपने काम को सावधानी और ईमानदारी से करें।

कुंभ राशि : आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। अगर व्यवसाय से जुड़ा कोई कोर्ट केस चल रहा है, तो आज उसे सुलझाने का आज सही समय है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बितेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अफगानिस्तान की मेजबानी में टी20 सीरीज खेल सकती है भारतीय टीम

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस सीरीज की मेजबानी पहली बार अफगान टीम करेगी। क्रिकेट प्रशंसक इस सीरीज का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। ये सीरीज दिल्ली के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में 13, 15 और 17 सितंबर को खेली जा सकती है हालांकि अभी इन तारीखों और स्थानों की आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं हुई है। यह सीरीज कई मायनों में महत्वपूर्ण होगी क्योंकि यह पहला अवसर होगा जब अफगानिस्तान क्रिकेट टीम भारत में ही भारत की मेजबानी करेगी।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान क्रिकेट टीम भारत को अपने घरेलू मैदान के तौर पर इस्तेमाल करती आ रही है। पिछले कुछ साल में अफगानिस्तान ने अपने कई घरेलू मैच लखनऊ, देहरादून और ग्रेटर नोएडा में खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने विभिन्न देशों की टीमों की मेजबानी की पर इनमें से कोई भी मुकाबला भारत के खिलाफ नहीं खेला था। इस सीरीज के साथ ही अफगानिस्तान टीम पहली बार भारत में भारतीय टीम के खिलाफ मैदान खेलेगी।

इस टी20 सीरीज का आयोजन भारतीय क्रिकेट के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के बीच हो रहा है। टीम इंडिया अगस्त के अंत में श्रीलंका के खिलाफ अपने दूसरे टेस्ट मैच का समापन करने वाली है, जो 27 अगस्त को समाप्त होगा। इसके तुरंत बाद, सितंबर में ही जापान में एशियाई खेलों का भी आयोजन होना है, जिनकी शुरुआत 24 सितंबर से होगी। इस प्रकार, भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज को श्रीलंका टेस्ट दौरे और एशियाई खेलों के बीच तय किया निर्धारित किया गया है, जिससे खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम और तैयारी का समय मिल सके। इससे पहले दोनो टीमों का मुकाबला जून में भी हुआ था, तब अफगानिस्तान टीम विदेशी दौरे पर भारत आई थी। उस समय दोनों टीमों ने न्यू चंडीगढ़ में एक टेस्ट मैच और तीन एकदिवसीय मैच खेले थे।

विश्व कप में कई विवादों के बीच भी फीफा प्रमख इन्फेंटिनो मजबूत होकर उभरे

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले समाप्त होने के बाद फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो का कद और बढ़ गय है। ये काफी हैरानी की बात भी है क्योंकि विश्वकप में कई प्रकार के विवाद उठे। इसमें टिकट की भारी कीमतों के साथही ईरान की टीम को अलग-थलग करने, सोमालिया के एक रेफरी पर प्रतिबंध लगाने जैसे जैसे कई विवादास्पद फैसले पर सवाल खड़े किए। इन्फेंटिनो पर आरोप हैं कि वह इस दौरान केवल पैसा कमाने पर ध्यान दे रहे थे। फीफा को विश्व कप से सीधे तौर पर लगभग 9 बिलियन डॉलर की कमाई हुई है। ये कतर में हुए 2022 संस्करण से लगभग 2 बिलियन डॉलर अधिक है पर इस दौरान नियमों को ताक पर रख दिया गया। इन्फेंटिनो तब फीफा में आये थे। तब फीफा घोटालों का पर्याय बन चुका था, और अमेरिकी अभियोजकों द्वारा भ्रष्टाचार के मामले की जांच के बाद तत्कालीन प्रमुख सेप ब्लैटर को हटा दिया गया था। इसके बाद इन्फेंटिनो को संगठन के नए चेहरे के तौर पर लाया गया। उन्होंने सुधारों की देखरेख की, पारदर्शिता बढ़ाई और फीफा के टूर्नामेंट्स के आकार व दायरे को काफी बढ़ाया। यह वित्तीय सफलता केवल फीफा तक सीमित नहीं रही। विश्व कप में पैसा हर किसी तक पहुंचा। स्टेडियम में खाने-पीने का काम संभालने वाले वेंडर्स को भारी फायदा हुआ; कुछ स्टेडियमों में प्रशंसकों ने प्रति गेम प्रति व्यक्ति 100 डॉलर तक खर्च किए। विज्ञापनदाताओं को अनिवार्य हाइड्रेशन ब्रेक से फायदा हुआ, जिन्हें कथित तौर पर खिलाड़ियों को गर्मी से बचाने के लिए शुरू किया गया था। मेजबान शहरों ने भी, जिन्होंने टूर्नामेंट से पहले खर्च को लेकर शिकायत की थी, अपनी अर्थव्यवस्था में उछाल देखा। बैंक ऑफ अमेरिका के आंकड़ों के अनुसार, 10 से 21 जून के बीच मेजबान शहरों में क्रेडिट और डेबिट कार्ड से होने वाले खर्च में पिछले साल के मुकाबले 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि बाहरी लोगों (गैर-स्थानीय लोगों) के खर्च में 16.7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई।

मोड्रिक अब 2027 तक एसी मिलान के साथ रहेंगे

एजेंसी, रोम

क्रोएशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक अब साल 2027 तक इटली के क्लब एसी मिलान के साथ ही रहेंगे। मोड्रिक ने क्लब के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इसी के साथ ही अब मोड्रिक जून 2027 तक मिलान की ओर से खेलेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे इस क्रोएशियाई खिलाड़ी का यह फैसला उनके असाधारण खेल भावना और मैदान पर बने रहने की उनकी अटूट इच्छा को दर्शाता है। गौरतलब है कि पिछले साल, मोड्रिक ने स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड के साथ अपने 13 साल के करार को तोड़कर मिलान से करार किया था। वहीं रियल के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद उन्होंने नए अध्याय की शुरुआत की थी। एसी मिलान के लिए अपने पहले सत्र में उन्होंने कुल 37 मुकाबले खेले और दो अहम गोल किये। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, और वह सेरी ए में पांचवें स्थान पर रही जबकि कोपा इटालिया में अंतिम-16 दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बावजूद, मोड्रिक का अनुभव और मैदान पर उनकी उपस्थिति टीम के लिए काफी लाभदायकर रही। मोड्रिक ने पहले फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास की बात कही थी पर अब उन्होंने क्लब फुटबॉल के साथ ही बने रहना तय किया है। मिलान ने अपने बयान में मोड्रिक के करार बढ़ाने की पुष्टि करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। क्लब ने कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से, मोड्रिक ने अपने अपार अनुभव, अथक मेहनत और अद्वितीय खेल कौशल से टीम को लगातार मजबूती दी है।

भारत में एक एशेज टेस्ट के आयोजन पर विचार कर रहा सीए

एजेंसी, सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अब भारत में प्रतिष्ठित एशेज सीरीज का एक मैच आयोजित करने पर विचर कर रहा है। इससे पहले उसने घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) का एक मैच भारत में आयोजित करने का फैसला किया था। सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने संकेत दिया है कि बोर्ड इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इससे विश्व स्तर पर क्रिकेट में भारत की बढ़ती साख का भी अंदाजा होता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मुकाबले एशेज के भारत में आयोजन से भविष्य में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। ग्रीनबर्ग का यह बयान ऐसे समय आया है जब सीए भारतीय बाजार में अपनी पैठ मजबूत करने में लगा है। इसी साल 12 दिसंबर को बीबीएल मैच का आयोजन चेन्नई में होगा। वहीं अब एशेज टेस्ट की संभावना भारत की कारोबार क्षमता को दिखाती है। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट दर्शक वर्ग वाले इस राष्ट्र में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एक महामुकाबला न केवल जबरदस्त जनहित पैदा करेगा, बल्कि नए और बड़े व्यावसायिक अवसर भी खोलेगा, जिससे दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड को फायदा होगा। टॉड ग्रीनबर्ग ने एक साक्षात्कार में कहा कि विचार को लेकर वह गंभीर हैं। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) दोनों के साथ अपने मजबूत संबंधों का हवाला दिया। ग्रीनबर्ग ने कहा, ईसीबी और बीसीसीआई के साथ हमारे रिश्ते बहुत मजबूत हैं, और निश्चित रूप से भारत में कुछ क्षेत्रों में और अधिक सामग्री डालने के अवसर हैं। अभी हम इसकी योजना नहीं बना रहे हैं, लेकिन इस पर निश्चित रूप से विचार किया जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया, मुझे लगता है कि हमारे, इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट क्रिकेट अभी भी बहुत मजबूत है, शायद दुनिया के दूसरे हिस्सों के रुझानों से अलग। इसलिए हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम इसे बढ़ाते रहें और मजबूत करते रहें।

हालांकि, ग्रीनबर्ग ने वैश्विक क्रिकेट कैलेंडर में समय की कमी की व्यावहारिक चुनौती को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए चुनौती यह है कि शेड्यूल में सिर्फ 365 दिन होते हैं और हमें शायद एक या दो महीने और लगेंगे ताकि हम वह सामग्री बना सकें जो हम बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

बिजनेस

ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में महानदी अपतटीय बेसिन में पहले मूल्यांकन कुएं की ड्रिलिंग शुरू: हरदीप पुरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को महानदी अपतटीय बेसिन में पहले मूल्यांकन कुएं की ड्रिलिंग शुरू करने की घोषणा की है। पुरी ने इसको ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में अहम कदम बताया है। हरदीप सिंह पुरी ने इस अवसर को "ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भारत की यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत" बताया। उन्होंने कहा कि ड्रिलिंग की शुरुआत एक दशक के दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है। मंत्री ने कहा कि इन सुधारों ने देश के अन्वेषण और उत्पादन परिदृश्य को बदल दिया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने सरकार के अन्वेषण सुधारों के तहत हुई प्रगति के बारे में बताते हुए बताया कि ओएएलपी के तहत लगभग 3.8 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 172 अन्वेषण ब्लॉक आवंटित किए गए हैं, जिनमें 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ही लगभग 674 कुओं की खुदाई की गई, पांच नए भंडार खोजे गए और सात भंडारों से उत्पादन शुरू हुआ। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हर एक मीटर की ड्रिलिंग हमें आयात पर निर्भरता कम करने, आत्मनिर्भरता मजबूत करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने के करीब लाती है। उन्होंने इसके लिए ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय, तकनीकी भागीदारों और संपूर्ण अन्वेषण समुदाय को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आज शुरू हुई खुदाई भारत के अपतटीय अन्वेषण प्रयासों को और मजबूत करेगी और देश की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य में योगदान देगी।

ईमानदार करदाताओं को सहूलियत दें, कर चोरी पर सख्ती करें: वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आयकर अधिकारियों से ईमानदार करदाताओं को सहूलियत देने और कर चोरी के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने को कहा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में 167वें आयकर दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, "कर निर्धारण में निश्चितता अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है।" इससे पहले इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। वहीं, विभाग के अधिकारियों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। 167वें आयकर दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने आयककर अधिकारियों को संवेदनशील होने की सलाह देते हुए कहा कि जानबूझकर कर चोरी करने वालों व अनजाने में गलती करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने आयकर विभाग के लिए पहचान, प्रतिक्रिया, निवारण, आत्ममंथन और सुधार के रूप में 5 प्राथमिकताएं भी बताईं। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को कहा, 'कर कानून से मिले अधिकारों का उपयोग विनम्रता के साथ करें और कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरूस्त बनाए रखें।' उन्होंने कहा कि पिछले साल, मैंने इस बात पर जोर दिया था कि एक आधुनिक टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन के लिए न केवल आधुनिक कानूनों और टेक्नोलॉजी की जरूरत होती है, बल्कि आधुनिक वर्कप्लेस, अच्छी सुविधाओं वाले ऑफिस और प्रेरित वर्कफोर्स की भी जरूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि डिपार्टमेंट ने पिछले साल इन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में लगातार प्रगति की है। उन्होंने बताया कि मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, नोएडा और अन्य जगहों पर नए ऑफिस कॉम्प्लेक्स और आधुनिकीकरण के प्रोजेक्ट्स में अच्छी प्रगति हुई है। साथ ही, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय और कल्याणकारी सुविधाओं में लगातार निवेश किया गया है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि 2 दिन बाद मैं मुंबई में नए 'आयकर सिंधु' ऑफिस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करूंगी, जो वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसे-जैसे हम विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं, हमें अपने अधिकारियों के ज्ञान, कौशल और नेतृत्व क्षमताओं को विकसित करने में भी उतनी ही प्रतिबद्धता के साथ निवेश करना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि मैं एआई, डेटा एनालिटिक्स, फोरेंसिक अकाउंटिंग, अंतरराष्ट्रीय कराधान, ट्रांसफर प्राइसिंग, डिजिटल एसेट्स, साइबर सुरक्षा और एडवांस्ड फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन जैसे क्षेत्रों में बेहतर विशेष प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहूंगी। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारियों को व्यवस्थित नेतृत्व विकास का नियमित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

कैलिबर माइनिंग का शेयर पहले दिन करीब 25 फीसदी की बढ़त के साथ हुआ बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को कारोबार के पहले दिन अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी का शेयर आज 18.86 फीसदी की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान ये 26.92 फीसदी चढ़कर 538.15 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, अंत में ये 24.64 फीसदी की बढ़त के साथ 528.50 रुपये के स्तर पर रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में कंपनी का शेयर 17.98 फीसदी की बढ़त के साथ 500.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में ये 24.57 फीसदी चढ़कर 528.20 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3,455.11 करोड़ रुपये रहा। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 146.64 गुना अभिदान मिला था। यह आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 50 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण था। कंपनी ने इसके लिए 402-424 रुपये प्रति शेयर का मूल्य का दायरा तय किया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में गठित कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स एकीकृत खनन सेवा प्रदाता कंपनी है। इसकी अपनी कोई खदान नहीं है, लेकिन यह अपने ग्राहकों को खनन और लॉजिस्टिक सेवाएं देती है।

फ्लिपकार्ट ने पार्सल पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ की साझेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने भारतीय डाक के जरिए उपभोक्ताओं तक पार्सल पहुंचाने के लिए डाक विभाग के साथ साझेदारी की है। इस समझौते के तहत अब इंडिया पोस्ट फ्लिपकार्ट के ऑर्डर की ग्राहक के घर तक अंतिम चरण की डिलीवरी (लास्ट माइल डिलीवरी) करेगा। कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत फ्लिपकार्ट को डाक विभाग के 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क का लाभ मिलेगा। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट ने बताया कि इससे कंपनी की बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, पार्सल पहुंचाने की दक्षता में सुधार होगा और विशेष रूप से दूरदराज तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं बेहतर होंगी। फ्लिपकार्ट ने कहा, ''इस समझौते के तहत डाक विभाग देशभर में फ्लिपकार्ट के पार्सल को अंतिम चरण तक पहुंचाने की सेवाएं उपलब्ध कराएगा।'' इस साझेदारी के तहत कंपनी शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज एवं ऐसे इलाके जहां फ्लिपकार्ट की सेवा का अभाव हो वहां भी पार्सल पहुंचाने के लिए इंडिया पोस्ट के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करेगा। उल्लेखनीय है कि डाक विभाग ने पिछले साल दिसंबर में ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया के साथ भी इसी तरह का समझौता किया था।

आयकर रिटर्न दाखिल करने में सिर्फ छह दिन बाकी, अंतिम तिथि 31 जुलाई

एजेंसी, नई दिल्ली

इनकम टैक्स का भुगतान करने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य है। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख बेहद नजदीक है। वित्त वर्ष 2025-26 (आंकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तय है। आईटीआर फाइल करने के लिए अब सिर्फ छह दिन ही बचे हैं।

आयकर विभाग ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि आखिरी समय का इंतजार न करें, आकलन वर्ष 2026–27 के लिए अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई, 2026 से पहले फाइल करें। विभाग ने कहा कि http://incometax.gov.in पर जाकर अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) बिना किसी जुर्माने के दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से पहले दाखिल करें। आयकर विभाग ने कहा कि अधिकांश वेतनभोगी और व्यक्तिगत करदाताओं को 31 जुलाई की अंतिम तिथि और समय से बचने के लिए आधिकारिक इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न जरूर दाखिल कर लेना चाहिए। अगर आप 31 जुलाई की अंतिम समय-सीमा को चूक जाते हैं, तो आपके पास बिलेटेड रिटर्न फाइल करने का विकल्प रहता है, लेकिन इसमें देरी करने पर आपको जुर्माना, अतिरिक्त ब्याज और कई टैक्स लाभ गंवाने पड़ सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139(4) के अंतगर्त, जो टैक्स टैक्सपेयर्स नियत तारीख तक रिटर्न दाखिल नहीं कर पाते, वे 31 दिसंबर 2026 तक या असेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने से पहले अपना बिलेटेड रिटर्न जमा कर सकते हैं।

रॉकिंग स्टार यश की टॉक्सिक के दूसरे गाने मदहोश ने जीता फैंस का दिल, ग्रैंड विजुअल्स देख बोले, बड़े पर्दे के लिए बनी है फिल्म !

टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का दूसरा गाना 'मदहोश रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। रॉकिंग स्टार यश और तारा सुतारिया की फ्रेश ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फैंस को मदहोश कर दिया है। जहां 'तबाही में एक गहरा और इंटेंस इमोशनल रिश्ता देखने को मिला था, वहीं 'मदहोश दर्शकों को 'टॉक्सिक की दुनिया की एक बिल्कुल अलग झलक दिखाता है। गाने में यश के किरदार के नए रंग सामने आए हैं, जिसने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया तारीफों से भर गया है। फैंस को खास तौर पर यश के सटल एक्सप्रेशंस, तारा सुतारिया के साथ उनकी सहज केमिस्ट्री और फिल्म का जबरदस्त सिनेमैटिक स्केल बेहद पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने अपनी एक्साइटमेंट कुछ इस तरह जाहिर कीः प्रोडक्शन डिजाइन से लेकर कैमरा वर्क तक, सब कुछ टॉप क्लास है। फिल्म का मूड और माहौल एक अलग ही लेवल का है। यश और तारा सुतारिया की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बिल्कुल इलेक्ट्रिक है! 'टॉक्सिक बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। राया और गंगा स्टाइल, एटीट्यूड और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं। दोनों का हर फ्रेम करिश्मे, इंटेंसिटी और जबरदस्त स्वैग से भरा हुआ है। नजरें हटाना मुश्किल है।

एक और फैन ने लिखा, प्तञ्जश&द्बष् शायद हाल की उन चुनिंदा बिग बजट फिल्मों में से एक है, जिसका बजट सच में स्क्रीन पर नजर आ रहा है... विजुअल्स कमाल के हैं। 'मदहोश ने फिल्म के किरदारों और उनके रिश्तों को लेकर भी सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। एक यूजर ने लिखा, तारा बहुत क्यूट लगीं, लेकिन यश म कियारा का ऑरा ही एक अलग लेवल का है। वहीं एक अन्य फैन ने कहा, तारा सुतारिया, कियारा आडवाणी और नयनतारा सभी एक साथ हैं, लेकिन यश का स्वैग फिर भी सबसे अलग है। 'मदहोश को मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स ने 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। जहां 'तबाही ने दर्शकों को फिल्म की पैशनेट और इंटेंस इमोशनल दुनिया से रूबरू कराया था, वहीं 'मदहोश कहानी को एक नया आयाम देता है और एक और दिलचस्प रिश्ते की ओर इशारा करता है। डायरेक्टर गीतू मोहनदास की बनाई इस लेयर्ड दुनिया की हर नई झलक सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ रही है और साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिक से उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही हैं। मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले और केवीएन प्रोडक्शंस के सहयोग से बनी 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को रॉकिंग स्टार यश ने लिखा और प्रोड्यूस किया है, साथ ही वह फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छात्रों के समर्थन में उतरीं आलिया भट्ट
अभिनेता कमल हासन बोले- बच्चों को जवाब की जगह मिल रही हैं लाठियां

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट देश में चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर अपनी आवाज उठाई है। वहीं अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने भी शिक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने सरकार और व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बच्चों की परेशानियों को समय रहते सुना जाना चाहिए था। दरअसल, देश में परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक जैसे मामलों को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इसी बीच कई छात्र संगठन और समर्थक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इस पूरे मामले पर अब मनोरंजन जगत की कई हस्तियां भी प्रतिक्रिया दे रही हैं। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा करते हुए लिखा, पिछले कुछ दिनों ने मेरा दिल कई बार तोड़ा और फिर उम्मीद के साथ उसे जोड़ा। हर उस छात्र के पीछे एक सपना, परिवार की उम्मीद,

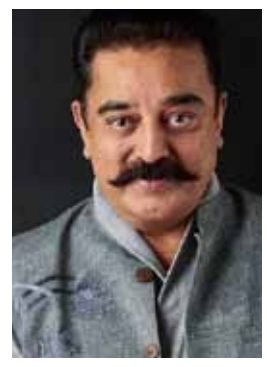

वर्षों की मेहनत और त्याग की कहानी छिपी होती है। छात्र सिर्फ अपने लिए आवाज नहीं उठा रहे हैं, बल्कि वे उन लोगों की उम्मीदों का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिन्होंने उनका साथ दिया है। छात्रों का साहस समाज के सामने यह सवाल रखता है कि क्या हम वास्तव में उन लोगों की बात सुन रहे हैं, जो देश का भविष्य संभालने वाले हैं। वहीं, अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने भी इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए देश की शिक्षा व्यवस्था की कमियों पर सवाल उठाए। कमल हासन ने कहा कि जब बच्चों की परेशानियों को समय रहते नहीं सुना जाता, तो हालात गंभीर हो जाते हैं। उन्होंने लिखा, हमें तब सुनना चाहिए था, जब एक बच्चा रोया था लेकिन हमने तब तक इंतजार किया, जब तक बहुत सारे बच्चों की आवाज खामोश नहीं हो गई। कमल हासन ने शिक्षा व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए कहा, ऐसी व्यवस्था, जहां पढ़ाई और सीखने की जगह सिर्फ कोचिंग का दबाव बढ़ जाए, जहां जिज्ञासा की जगह डर पैदा हो और जहां योग्यता की जगह गलत तरीके आगे आने लगें, वह व्यवस्था कमजोर हो जाती है।

आलिया भट्ट की सोहम शाह की तुम्बाड 2 में एंट्री, हॉरर फिल्म से मचाएंगी तहलका

सोहम शाह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म तुम्बाड 2 के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं। इस हॉरर थ्रिलर का दायरा और इससे जुड़ी लोगों की उम्मीदें कई गुना बढ़ गई हैं, क्योंकि आलिया भट्ट फिल्म का आधिकारिक हिस्सा बन चुकी हैं। खुद निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस राज से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, काफी वक्त से अटकलें थीं कि आलिया तुम्बाड 2 में नजर आएंगी और अब इसकी पुष्टि भी हो गई है। सोहम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म के सिग्नेचर लाल बैकग्राउंड के सामने आलिया के साथ कई तस्वीरें साझा की हैं। इनमें शैतानी गुड़िया, लाल घेरा और एक लालटेन भी नजर आ रहा है, जो तुम्बाड (2018) के सिग्नेचर प्रॉप्स हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। प्ततुम्बाड2 में आपका स्वागत है, आलिया भट्ट। प्रलय आएगा। सिनेमा में मिलते हैं। 03.12.2027 को। बता दें, तुम्बाड 2 अगले साल 3 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म तुम्बाड ऐतिहासिक लोककथाओं पर आधारित एक हॉरर फिल्म है। इसका निर्माण सोहम ने किया था और बतौर अभिनेता भी वह इसमें नजर आए थे, जबकि निर्देशक राही अनिल बर्वे थे। सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बन रही तुम्बाड 2 में एक बार फिर उन्हें मुख्य किरदार निभाते हुए देखा जाएगा। सीक्वल में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी एक अहम किरदार निभाते नजर आएंगे, जिसका ऐलान पहले किया जा चुका है।

लॉक अप सीजन 2 : लवबड्र्स कहने पर बढ़ा विवाद
शिल्पा शिंदे पर भड़के हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी

रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में हर दिन नए रिश्ते बनते और बिगड़ते नजर आ रहे हैं। शो में कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले विवाद लगातार दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। इस बार अभिनेता हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी, शिल्पा शिंदे से भिड़ते नजर आए। दरअसल, शिल्पा शिंदे ने उन्हें लवबड्र्स कहकर पुकारा था। इस टिप्पणी पर दोनों ने कड़ी आपत्ति जताई और देखते ही देखते मामूली बहस तीखी नोकझोंक में बदल गई। पूरे विवाद की शुरुआत जिम मैट को लेकर हुई। हर्षद चोपड़ा जिम मैट ढूंढ रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर जिम मैट नहीं मिल रहा है। इस पर शिल्पा शिंदे ने जवाब दिया कि वह उसी मैट पर सो रही हैं और उसे नहीं देंगी। शिल्पा की इस बात पर हर्षद नाराज

हो गए और बोले कि वह बिना मैट के भी सो सकती हैं। इसी दौरान शिल्पा ने तंज कसते हुए हर्षद और शिवांगी को लवबड्र्स कह दिया। यह सुनते ही माहौल अचानक गर्म हो गया। शिवांगी जोशी ने तुरंत इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और पूछा कि आखिर वह उन्हें बार-बार लवबड्र्स क्यों कह रही हैं। सभी जानते हैं कि हमारे बीच सिर्फ दोस्ती का रिश्ता है, इसलिए इस तरह की बातें करना सही नहीं है। अपनी भाषा और सोच पर थोड़ा ध्यान दो। शिवांगी का साथ देते हुए हर्षद चोपड़ा ने भी कहा, मैं सिर्फ उसका दोस्त हूं। इसके बाद उन्होंने शिल्पा पर निशाना साधते हुए कहा, आपने शायद जिंदगी में कभी सच्ची दोस्ती देखी ही नहीं। आपकी उम्र शादी करने की है और आप इस तरह की अफवाहें फैला रही हैं। शिवांगी ने भी शिल्पा पर पलटवार करते हुए कहा, आपने अपनी जिंदगी में एक भी दोस्त नहीं बनाया। क्या ये जलन है? इस दौरान शिल्पा लगातार लवबड्र्स शब्द दोहराती रहीं। इससे हर्षद का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, शिल्पा हर समय यही शब्द दोहराती रहती हैं। वहीं शिवांगी ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शिल्पा के दिमाग में गंदगी भरी हुई है और वह हर रिश्ते को उसी नजर से देखती हैं। इस पूरे मामले पर शो के सीक्रेट रूम से देख रही वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट अपूर्वा मखीजा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दर्शकों को आज फिर हर्षद चोपड़ा का कबीर सिंह वाला रूप देखने को मिल गया।

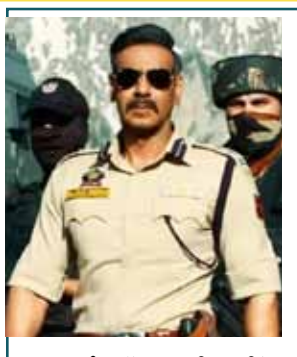

कबस्टर 'सिंघम' के 15 साल
बाजीराव सिंघम के रूप में अजय देवगन का वह आइकॉनिक दौर

अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म सिंघम के 15 साल पूरे होने पर बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने जश्न मनाया। उन्होंने इस अवसर पर सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ा एक यादगार क्लिप साझा किया। अपने इंस्टाग्राम पर अजय देवगन ने क्लिप शेयर करते हुए लिखा, जुलाई का महीना वाकई हमारे लिए बहुत खास है रोहित शेट्टी।

सिंघम के 15 साल पूरे। साल 2011 में रिलीज हुई यह भारतीय हिंदी एक्शन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। इसका निर्देशन एक्शन फिल्मों के बादशाह रोहित शेट्टी ने किया था और इसमें अजय देवगन ने ईमानदार, सिद्धांतवादी और निडर पुलिस अधिकारी बाजीराव सिंघम की मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म 2010 में आई इसी नाम की तमिल फिल्म का रीमेक थी, लेकिन रोहित शेट्टी के निर्देशन और अजय देवगन के दमदार अभिनय ने इसे एक अलग ही पहचान दी। सिंघम की कहानी एक आदर्शवादी पुलिस वाले बाजीराव सिंघम के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शांति और बातचीत से समस्याओं का समाधान करना पसंद करते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के खिलाफ जरूरत पड़ने पर सख्ती भी बरतते हैं। उनका सामना गोवा के एक भ्रष्ट और खतरनाक राजनेता जयकांत शिकरे (प्रकाश राज) से होता है। जयकांत शिकरे के अत्याचारों के कारण सिंघम को शिवगढ़ से गोवा ट्रांसफर कर दिया जाता है, जहाँ वह सिस्टम में रहकर भ्रष्ट राजनेताओं का पर्दाफाश करते हैं और कानून का राज स्थापित करते हैं। फिल्म में अजय देवगन के अलावा, काजल अग्रवाल, प्रकाश राज, सचिन खेडेकर और अशोक सराफ जैसे कई मंझे हुए कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता था।

फिल्म के गानों को भी खूब पसंद किया गया था और इसके कई डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर हैं, जैसे आता माझी सटकली और ज्यांच्यात दम असतो... ते सिंघम असतात। अजय देवगन का पानी से बाहर निकलते हुए एंट्री वाला सीन भी भारतीय सिनेमा के सबसे आइकॉनिक सीन्स में से एक माना जाता है, सिंघम की अभूतपूर्व सफलता ने निर्देशक रोहित शेट्टी को बॉलीवुड में एक अद्वितीय पुलिस-आधारित फिल्म यूनिवर्स (कॉप यूनिवर्स) बनाने के लिए प्रेरित किया।

टोफू असली है या मिलावटी? जानिए फर्क करने के कुछ आसान तरीके

दूध से बने पनीर की तरह दिखने वाला टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और यह शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है। इसका सेवन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में मदद कर सकता है। हालांकि, हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा है कि बाजार में बिकने वाला अधिकांश टोफू नकली होता है। असली और मिलावटी टोफू के बीच अंतर समझ पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में ये तरीके पहचान करने में आपकी मदद कर सकते हैं। असली टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और इसका रंग क्रीम होता है, जबकि नकली टोफू का रंग सफेद होता है। नकली टोफू बनाने के लिए सोयाबीन के अलावा कई तरह के रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। असली टोफू को हाथ से तोड़ने पर फाड़ा जा सकता है, जबकि नकली टोफू को तोड़ने पर उसकी बनावट अलग लगती है। असली टोफू की बनावट चिकनी होती है, जबकि नकली टोफू

को हाथ से छूने पर खुरदरा महसूस होता है। असली टोफू की पहचान के लिए सबसे पहले इसके लेबल को पढ़ें और देखें कि क्या उस पर सोयाबीन लिखा हुआ है। अगर आपके पास कोई टोफू है तो उसे हाथ से तोड़कर देखें। अगर वह आसानी से टूट जाता है तो समझ जाएं कि वह असली है। इसके अलावा असली टोफू का रंग क्रीम होता है, जबकि नकली टोफू का रंग सफेद होता है। नकली और असली टोफू का स्वाद भी अलग होता है। नकली टोफू में इस्तेमाल होने वाले रसायन सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इससे शरीर में हानिकारक तत्वों का स्तर बढ़ सकता है और कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। नकली टोफू का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है और पाचन तंत्र भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए, नकली टोफू का सेवन करने से बचें और असली टोफू को ही अपने खाने में शामिल करें। असली टोफू प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है और यह फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर

होता है। यह दिल को स्वस्थ रखने, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने और कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। असली टोफू का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने, पाचन को सुधारने और त्वचा को निखारने में भी सहायक है। इससे आपकी सेहत को कई लाभ मिल सकते हैं।

'भाई तेरा सुपरस्टार' का नया रोमांटिक गाना
'आँखों से तूने 2.0' आउट, दिखा नया अंदाज़

मेकर्स द्वारा बहुप्रतीक्षित फिल्म भाई तेरा सुपरस्टार का नया गाना आँखों से तूने 2.0 रिलीज़ कर दिया गया है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता राघव जुयाल ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का क्लिप साझा किया। इसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा, अब जब आंखें ही सब कुछ कहने लगी हैं, तो दिल का धड़कना तो तय है। आँखों से तूने 2.0 गाना अब रिलीज़ हो चुका है। इस नए रोमांटिक ट्रैक में राघव जुयाल अपने चिर-परिचित सिग्नेचर डांस मूव्स के साथ-साथ एक नए, स्टाइलिश और बेहद रोमांटिक अवतार में दिखाई दे रहे हैं। उनका यह नया अंदाज दर्शकों को काफी लुभा रहा है, क्योंकि यह उनके पिछले काम से काफी अलग है। वहीं, निहारिका एनएम भी राघव की बीट से बीट मैच करती नजर आ रही हैं, और

दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री गाने को और अधिक आकर्षक बना रही है। दर्शकों को राघव के पुराने और आइकॉनिक डांस मूव्स की वापसी भी काफी भा रही है, जिससे गाने में एक नोस्टैलजिया का अनुभव हो रहा है। यह गाना दरअसल 90 के दशक के एक मशहूर क्लासिक गाने का आधुनिक रीमेक है।

मूल गाने को कुमार शानू और अलका याग्निक जैसे दिग्गज पार्श्वगायकों ने अपनी मधुर आवाज से सजाया था, और वह अपने समय में चार्टबस्टर रहा था। इस रीक्रिएटेड संस्करण को भी कुमार शानू और अलका याग्निक ने देव नेगी और पलक मुच्छल के साथ मिलकर अपनी आवाज दी है, जो पुराने जादू को बरकरार रखते हुए इसमें एक नई ऊर्जा भर देता है। मोहसीन शेख ने इसके मनमोहक गीत लिखे हैं, जबकि लिजो जोर्ज ने इसका संगीत तैयार किया है, और तुषार कालिया ने गाने को शानदार ढंग से कोरियोग्राफ किया है। फिल्म भाई तेरा सुपरस्टार में राघव जुयाल लीड एक्टर अजय सिंह की भूमिका निभा रहे हैं। यह कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है जो लंदन में रहता है और बॉलीवुड का सुपरस्टार बनने का सपना देखता है। फिल्म एक हिंदी कॉमेडी-ड्रामा है जो सपनों, संघर्षों और मनोरंजक पलों का मिश्रण प्रस्तुत करती है। फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है, जिन्होंने कहानी को एक दिलचस्प मोड़ दिया है। राघव जुयाल के अलावा, फिल्म में संजय कपूर, बरखा सिंह और निहारिका एनएम जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी मुख्य किरदारों में नजर आएंगे, जो कहानी में गहराई और मनोरंजन का तड़का लगाते हैं। फिल्म का ट्रेलर कुछ समय पहले ही रिलीज़ कर दिया गया था, जिसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

BRIFF NEWS

'No plans to enter airline business:' Adani Group

New Delhi, Agency: The Adani Group has denied any plans to enter the airline business. An Adani Enterprises Limited spokesperson said on Friday: "We would like to categorically deny the recent media reports and market speculation suggesting that Adani Enterprises is planning to launch an airline. These reports are entirely baseless and factually incorrect. Adani Enterprises is not evaluating any proposal to enter the airline business." The statement comes amid govt being reportedly being uncomfortable with a country of the size and economic potential of India having a duopoly of airlines - IndiGo and Tata's Air India group.

ED raids Punjab, Delhi, UP in Rs 450-cr loan fraud

New Delhi, Agency: The Enforcement Directorate (ED) on Friday morning conducted searches on eight premises across Delhi, Punjab and Uttar Pradesh in connection with the investigation against M/s Santosh Overseas Ltd and its related entities.;

The premises being searched include those of the promoters, associated companies and facilitators. The ED investigation arises from a CBI case relating to an alleged bank fraud involving approximately Rs 450 crore availed from a consortium of banks. Investigation has revealed that the loan funds were allegedly diverted and layered through a network of shell entities, accommodation entry operators and related companies by way of fake invoices and circular financial transactions.

76-year-old's Kerala zipline ride goes viral

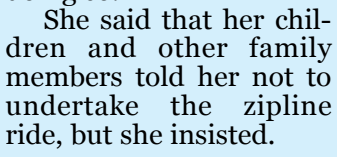

New Delhi, Agency: At the age of 76 years, Lakshmi, a native of Tanur here, has shown that age is no bar to enjoying extreme adventures when you have the self-confidence to go for it by embracing the thrill of going on a zipline ride.

Visuals of her adventure, showing the septuagenarian strapped onto a zipline and travelling on it, along with another person, across a wide river at Ponnani, have gone viral on social media, inviting widespread appreciation and accolades. Speaking to a TV channel, Lakshmi said she is not afraid of taking part in adventurous activities and likes doing so.

She said that her children and other family members told her not to undertake the zipline ride, but she insisted.

India invites Bangladesh PM to Brics Summit

Dhaka/New Delhi, Agency: As part of Delhi's broader approach to enhancing global collaboration and cooperation, India has invited PM Tarique Rahman to attend the 18th Brics Summit, which will focus on global cooperation, trade, and sustainable development. India will host the summit in New Delhi on September 12-13. Bangladesh state minister for foreign affairs Shama Obaed Islam said Thursday that the ministry had received the invitation from the Indian side and forwarded it to the Prime Minister's Office, without elaborating further.

PM Narendra Modi had invited Tarique in Feb too, after he took office. Tarique has so far not appeared inclined to take the political risk of visiting India while former PM Sheikh Hasina remains on Indian soil, amid concerns about a domestic backlash. However, Bangladesh also aspires to become a Brics member and has already received support from China and Russia.

Both Chinese President Xi Jinping and Russian President Vladimir Putin are expected to attend the summit. Tarique recently visited Malaysia and China, and also plans to travel to Japan and the US for the UN General Assembly later this year. An official confirmation of India's invitation is still awaited. India had also invited Bangladesh in 2016, the last time it hosted the Brics summit in person, as a Bimstec member for a Brics outreach session. External affairs minister S Jaishankar on Thursday met Bangladesh foreign minister Khalilur Rahman on the sidelines of the Asean Regional Forum Foreign Ministers' Meeting in Manila. An official in Dhaka said the two ministers exchanged greetings. Responding to a question on regional instability, Shama Obaed said Bangladesh, as a democratic state with a democratically elected govt, wanted peace and stability in the region. She added that Bangladesh expected India, as a large democratic country, to address its internal issues and move towards a solution.

India's Brics chairship is guided by the theme "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability", reflecting a people-centric approach articulated by Modi at the 2025 Rio Summit. Brics comprises Brazil, China, Egypt, Ethiopia, India, Indonesia, Iran, Russia, Saudi Arabia, South Africa and the UAE as members. The 17th Brics Summit was held on July 6-7, 2025, in Rio de Janeiro in Brazil.

Won't forget Indian military's rescue of 12 Chinese crew members after ship fire: China's defence attache

New Delhi, Agency: China's newly appointed Defence Attache to India, Rear Admiral You Jian, has thanked the Indian military for rescuing 12 Chinese crew members from a cargo ship that caught fire last year, saying Beijing "will not forget" the operation.

"We will not forget that, last June, the Indian Military rescued 12 Chinese crew members from a cargo ship that caught fire and exploded off the coast of Kerala," You said while speaking at a reception marking the 99th anniversary of the founding of the Chinese People's Liberation Army (PLA). The Indian Navy and the Indian Coast Guard had jointly carried out the rescue operation to save the lives of the Chinese crew.

A senior Chinese military officer lauding the effort of the Indian military is aimed at improving the relations between the two countries. New Delhi and Beijing have engaged in multiple constructive and forward-looking discussions towards gradual normalisation after the 2020 LAC faceoff.

The Chinese defence attache also called for closer communication and cooperation between the armed forces of the two countries. He also highlighted the role played by the armed forces of both countries in United Nations peacekeeping operations.

IndiGo opposes more say for airport operators in airlines

New Delhi, Agency: Rahul Bhatia, promoter and MD of India's largest carrier IndiGo, has opposed the proposed move to allow airport operators in India to own and run airlines too. "There is no global precedent for this. It raises massive conflict-of-interest concerns, and it is unclear how such a move would serve consumers' interests," he said at a post earnings call.

Bhatia's Thursday comments come as govt is considering to dilute provisions that disallow operators of Delhi and Mumbai airports to own more than 10% stake in a scheduled airline. While the Adani Group, which runs Mumbai airport, is likely to make the first move by picking up stake in an existing airline or investing in a startup, the GMR Group, which operates Delhi's IGIA, could do so at a subsequent stage. The news has resulted in Interglobe Aviation's shares falling for two consecutive days as investors perceive the airline, which controls two-thirds of the domestic aviation market, to be a loser in case the move goes through.

BJP slams Oppn for blocking House debate on leaks

New Delhi, Agency: BJP Thursday sought to turn the heat on Congress and its allies over the issue of paper leaks as its MPs raised slogans and carried placards in the Parliament complex, targeting Rahul Gandhi and opposition netas for not allowing a discussion on the issue despite govt's willingness to do so.

BJP president Nitin Nabin accused Rahul of running away from debate, asserting that Congress feared that its double-standards would be exposed in Parliament if discussion happened, given that the Opposition had only misled and deceived the youth during its long stint in office. "I dare them to a debate, but Rahul and his allies will not agree. The NDA govt has shaped the future of the youth in the right direction," he said, highlighting that India is now being recognised for its start-ups and unicorns. Congress looks at the youth as nothing but stone-pelters, he said, adding the young population is with PM Modi.

2,500 detained, 2 LeT terrorists' homes razed in Kashmir

Srinagar, Agency: Security forces demolished family homes of two "wanted" Lashkar-e-Taiba terrorists and detained more than 2,500 people for questioning across Kashmir overnight in a sweeping crackdown following Wednesday's fatal shooting of a J&K police head constable on duty in Lal Chowk market in Anantnag town.

Officials said Thursday forces used controlled explosives to demolish the house where Adil Ahmad Thoker's family lives in Guri village of Anantnag district. It was the second time the house was blown up after a similar demolition following the Pahalgam terrorist attack that killed 26 people on April 22, 2025.

Forces also demolished the house of Haroon Rashid Ganaie's family at Hassanpora Tawella in Bijbehara. Teams reached both villages around 3am and asked occupants to leave before detonating explosives. Thoker and Ganaie have been associated with LeT since 2018.

Police said those detained were suspected "overground workers" accused of providing logistics, shelter, cash, transport, communications and other support to terrorists. About 700 were detained in Srinagar district, 178 in Baramulla, 200 in Budgam, 100 in Ganderbal, and several hundred more in Anantnag, Shopian and Kulgam.

A police officer said the operation aimed to identify and dismantle networks providing logistical, financial, communication, transport and shelter support to terrorist organisations.

LG Manoj Sinha chaired a security review Thursday and directed officials to remain "highly vigilant" and neutralise emerging threats. He also reviewed arrangements for Amarnath Yatra, suspended since July 19 because of heavy rain. More than 391,000 have visited the cave shrine in Anantnag district in the first 20 days of the annual pilgrimage.

Officials said the manhunt continues for the lone terrorist who murdered 45-year-old head constable Ashiq Hussain Qureshi, a father of three from Lalpora village in central Kashmir's Budgam. CM Omar Abdullah criticised the demolitions and detentions, calling the police action counter-productive. "People are angry that a police head constable has been killed so brutally. But when the number of arrests rises from hundreds to 2,000 or 2,500, that public anger risks being redirected against us," he said.

India blasts Pakistan for raising J&K, Indus issues at Asean meet

New Delhi, Agency: India slammed Pakistan for raising issues related to J&K and the Indus Waters Treaty at the Asean Regional Forum, saying the remarks by Pakistani foreign minister Ishaq Dar were baseless and unwarranted.

The govt said in a statement it was no surprise that a multilateral forum had once again been cynically exploited by Pakistan to amplify falsehoods, peddle state-sponsored disinformation, and divert attention from its own well-documented record of sponsoring cross-border terrorism.

External affairs minister S Jaishankar had said at the same forum that acts of terrorism will have consequences. "UT of J&K and Ladakh have been, are and will always remain integral and inalienable parts of India. Pakistan has no locus standi to comment on the same," MEA spokesman Randhir Jaiswal said.

The govt said India's position on Indus Waters Treaty remained consistent. "IWT stands in abeyance in response to Pakistan's continued sponsorship of cross-border terrorism, including the Pahalgam attack. IWT will continue to be held in abeyance until Pakistan credibly and irrevocably abjures its support for cross-border terrorism," the official said. The govt strongly condemned Pakistan's continued practice of propagating officially sponsored disinformation, often dressed in religious terminology such as the use of terms like 'Fitna al-Hindustan'. "This is a futile attempt by the Pakistani establishment to deflect attention from its own internal crises and its well-proven role as a safe haven for global terrorist networks.

HC to hear plea seeking NIA probe into 'foreign funding' of protest

New Delhi, Agency: The Delhi High Court on Thursday agreed to hear on Friday a public interest litigation seeking a National Investigation Agency (NIA) probe into the July 20 "Sansad Chalo" march over the NEET paper leak, with the petitioner alleging that the protest was part of a wider conspiracy involving foreign-funded organisations and political actors.

The plea was mentioned before a Division Bench of Chief Justice DK Upadhyaya and Justice Tejas Karia by advocate Barun Kumar Sinha, who sought urgent listing, claiming the protest had severely disrupted normal life in the national capital.

Sinha submitted that the agitation, projected as a students' protest, had brought large parts of Delhi to a standstill, with major roads blocked and commuters facing inconvenience.

Indian man found dead in Jerusalem, 31-year-old suspect arrested

New Delhi, Agency: A 31-year-old Israeli national has been arrested in connection with the murder of an Indian man in Jerusalem, police said.

The 40-year-old Indian man was found dead on Thursday in Jerusalem's Katamon neighbourhood. According to the police, the victim was lying on the floor in a house with blood all around him, reported The Times of Israel.

"Following the earlier report regarding a 40-year-old foreign national from India who was found dead in an apartment in the Katamon neighbourhood of Jerusalem, officers from the Moria Police Station arrived quickly at the scene and launched an initial investigation together with forensic investigators," Israel Police Spokesperson's Unit told PTI in an email response. "The preliminary investigation at the scene indicates that the incident is suspected to be criminal in nature," the police said.

Israel police officers soon identified and arrested the resident of Eilat on suspicion of involvement in the murder, it said.

The suspect, whose identity has not been revealed, was taken into custody for questioning. The identity of the Indian migrant worker has also not been revealed. IndiaNews Updates

Jerusalem District Commander, Avshalom Peled, arrived at the scene and held a situational assessment with district commanders.

Following the initial assessment, Peled instructed "continue the investigation", assigning it to the Jerusalem District Central Unit.